शर्मा हार्डवेर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 304 | गुवाहाटी | शनिवार, 7 जून, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भगदड़ : विराट कोहली के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज पेज 2
मुख्यमंत्री ने दूसरी बार बराक घाटी का किया निरीक्षण, हैलाकांदी व श्रीभूमि... पेज 3
राहुल गांधी व कांग्रेस पार्टी को देश से मांगनी चाहिए माफी : नायब सैनी पेज 5
शुभमन गिल के टेस्ट कप्तानी की शुरुआत : स्पष्टता... पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जो हमारे दिल में रहता है, वो दूर होके भी पास है। लेकिन जो हमारे दिल में नहीं रहता, वो पास होके भी दूर है।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

बाढ़ की स्थिति में सुधार, अभी भी 41 हजार राहत शिविरों में

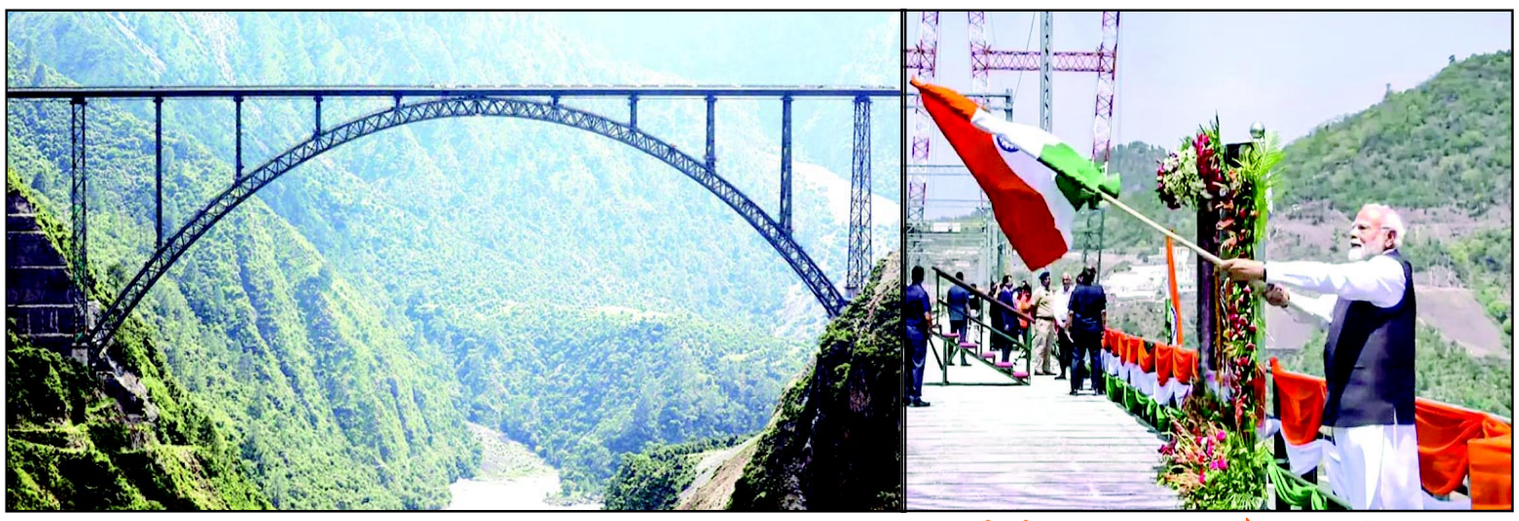

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति में मामूली सुधार के संकेत मिले हैं, हालांकि राज्य के 16 जिलों में 5.60 लाख से अधिक लोग अभी भी प्रभावित हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, 1,400 से अधिक गांव प्रभावित हुए हैं और बाढ़ के पानी ने 1,900 हेक्टेयर से -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी ने किया दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज का उद्घाटन

वंदे भारत की भी दी सौगात

नई दिल्ली/जम्मू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर पहुंचे और राज्य को 46 हजार करोड़ रुपए की विकास परियोजनाएं समर्पित कीं। इस दौरान उन्होंने दो ऐतिहासिक और तकनीकी दृष्टि से अद्वितीय पुलों चिनाब ब्रिज और अंजी पुल का उद्घाटन किया। साथ ही कटरा से श्रीनगर के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। चिनाब नदी पर बना चिनाब ब्रिज अब विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज बन चुका है। इसकी ऊंचाई एफिल टॉवर से भी अधिक है और यह समुद्र तल से 359 मीटर ऊपर स्थित है। यह पुल न केवल इंजीनियरिंग की दृष्टि से बेमिसाल है, बल्कि यह देश के हर कोने को कश्मीर घाटी से जोड़ने में भी अहम भूमिका निभाएगा। यह पुल उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना का हिस्सा है, जो जम्मू-कश्मीर के भौगोलिक और भावनात्मक दोनों रूपों में भारत से जोड़ने का कार्य करेगा। प्रधानमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

पहलगाम हमले ने इंसानियत और कश्मीरियत पर किया प्रहार, लेकिन विकास नहीं डिगेगा : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुआ आतंकी हमला सिर्फ निर्दोष लोगों पर नहीं, बल्कि इंसानियत और कश्मीरियत पर सीधा प्रहार था। पाकिस्तान की यह साजिश भारत में दंगे भड़काने और कश्मीर के मेहनतकश लोगों की आजीविका पर चोट करने की कोशिश थी, लेकिन जम्मू-कश्मीर के लोगों ने जिस एकता और साहस के साथ इसका जवाब दिया, वह पूरे देश और दुनिया के लिए एक स्पष्ट संदेश है। उन्होंने कहा कि यह वही आतंकवाद है जिसने घाटी के स्कूल जलाए, अस्पतालों को निशाना बनाया और दो पीढ़ियों का भविष्य तबाह किया। अब -शेष पृष्ठ दो पर

जी-7 सम्मेलन में हिस्सा लेने कनाडा जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की है और उन्हें जी-7 सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने आमंत्रण के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन में उनसे मुलाकात का बेसब्री से इंतजार है। इस साल 15 से 17 जून 2025 को कनाडा के अल्बर्टा के कनानास्किस में जी-7 सम्मेलन हो रहा है। इसमें अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान, इटली, कनाडा और जर्मनी के शीर्ष नेता हिस्सा लेंगे। इसके अलावा भारत ब्राजील, मैक्सिको, दक्षिण अफ्रीका, यूक्रेन के राष्ट्रपतियों और -शेष पृष्ठ दो पर

खराब जल निकासी से जुड़ी कृत्रिम बाढ़ पर सीएम ने जताई चिंता

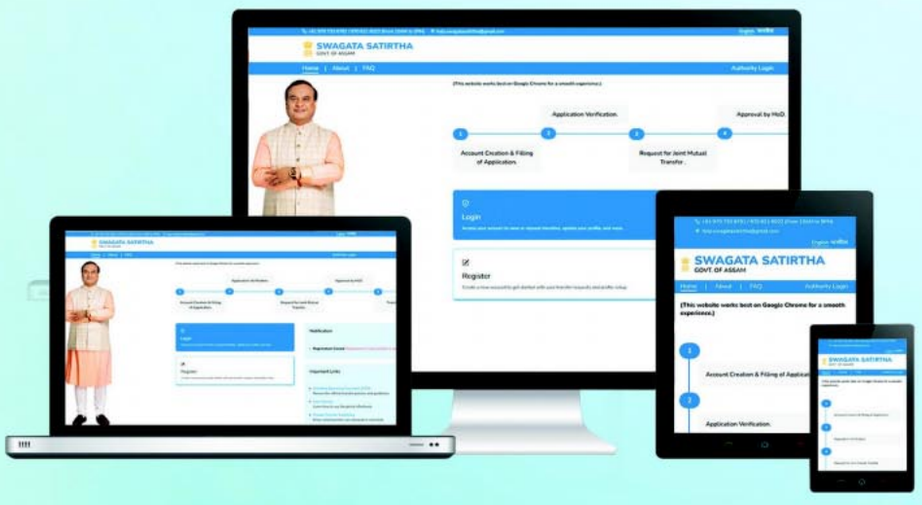

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने डिब्रूगढ़ और सिलचर जैसे शहरों में कृत्रिम बाढ़ में योगदान देने वाले प्रमुख कारकों के रूप में अपर्याप्त जल निकासी और अनियोजित शहरी विकास को चिह्नित किया है। शर्मा ने कहा कि खाली पड़ी जमीन पर निर्माण कार्य प्राकृतिक जल प्रवाह को बाधित करता है, जिससे शहरी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या और -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भगदड़ : विराट कोहली के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज

आरसीबी के अधिकारी समेत चार गिरफ्तार, अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

बेंगलूरू। बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की विक्ट्री परेड में मची भगदड़ के मामले में अब स्टार खिलाड़ी विराट कोहली पर भी आंच आ गई है। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई लोग घायल हो गए हैं। इस मामले में पहले ही कई लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मगर अब एक स्थानीय शख्स ने टीम इंडिया और आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। इस शख्स ने बेंगलुरु के कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में इस मांग के साथ ही कोहली के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई है। इससे पहले कर्नाटक सरकार ने इसके लिए आरसीबी मैनेजमेंट, कर्नाटक क्रिकेट संघ और इवेंट मैनेजमेंट कंपनी डीएनए पर दोष मढ़ा है, जिसके बाद कब्बन पार्क पुलिस ने इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करते हुए 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। मगर इन सबके बीच अब एचएम वेंकटेश नाम के स्थानीय शख्स ने टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के खिलाफ भी

एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। वेंकटेश ने इस मांग के साथ कब्बन पार्क स्टेशन में शिकायत दर्ज की है। पुलिस ने कहा है कि वो इस शिकायत को पहले से ही दर्ज शिकायत में शामिल कर विचार करेगी। वहीं अदालत ने शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के एक अधिकारी समेत चार लोगों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ के सिलसिले में आरसीबी और इवेंट मैनेजमेंट फर्म डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के चार अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। बंगलूरू के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने भी पुष्टि की कि भगदड़ मामले में कुछ गिरफ्तारियां की गई हैं। हमारी टीमें मामले को बहुत गंभीरता से ले रही हैं और आखिरकार मामला सीआईडी के पास जाना है। इसलिए सीआईडी के पास जाने से पहले हमारी टीम की ओर से जो भी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करनी हैं, वे कर रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तारी से पहले आरसीबी के मार्केटिंग और रेवेन्यू हेड निखिल सोसले, डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सुनील मैथ्यू और किरण कुमार से पूछताछ की गई। आगे की प्रक्रिया बाद में पूरी की गई। बताया गया कि कुछ को कथित तौर पर शहर के बाहरी इलाके केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) से हिरासत में लिया गया था। पुलिस ने यह कार्रवाई गुरुवार को आरसीबी, इवेंट मैनेजमेंट फर्म डीएनए और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के खिलाफ दर्ज एफआईआर के बाद की है। भगदड़ बुधवार शाम को स्टेडियम के सामने हुई, जहां बड़ी संख्या में लोग आरसीबी टीम की आईपीएल जीत के जश्न में शामिल होने के लिए उमड़े थे। इससे पहले गुरुवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्य के डीजीपी और आईजीपी को निर्देश दिया था कि वे भगदड़ के सिलसिले में आरसीबी और डीएनए इवेंट मैनेजर्स और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के प्रतिनिधियों को तुरंत गिरफ्तार करे। प्रथम दृष्टया उनकी ओर से ही गैरजिम्मेदारी और लापरवाही दिखाई गई। इसके बाद एफआईआर दर्ज की गई। इस बीच कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष रघु राम भट और कुछ अन्य पदाधिकारियों ने शुक्रवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और चिन्नास्वामी स्टेडियम भगदड़ मामले में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग की।

बांग्लादेश में अप्रैल 2026 में होंगे राष्ट्रीय चुनाव, यूनुस ने किया एलान

ढाका। बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने शुक्रवार को एलान किया कि अगला राष्ट्रीय चुनाव अप्रैल 2026 के पहले पखवाड़े में आयोजित किया जाएगा। ईद-उल-अजहा की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग जल्द ही चुनाव की विस्तृत रूपरेखा पेश करेगा। यूनुस ने अपने संबोधन में कहा कि अंतरिम सरकार तीन मुख्य उद्देश्यों सुधार, न्याय और चुनाव के आधार पर सत्ता में आई है। अपने संबोधन में यूनुस ने कहा कि सरकार ने स्वतंत्र, निष्पक्ष, प्रतिस्पर्धी और स्वीकार्य चुनाव आयोजित करने के लिए सभी दलों के साथ चर्चा की है। इसके अलावा, न्याय, सुधार और चुनाव से संबंधित चल रही सुधार गतिविधियों की समीक्षा के बाद मैं आज देशवासियों को घोषणा कर रहा हूं कि अगले राष्ट्रीय चुनाव अप्रैल 2026 के पहले पखवाड़े में होंगे। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर जरूरी उपाय कर रहे हैं कि देश इस अवधि के दौरान स्वतंत्र और विश्वसनीय चुनाव कराने के लिए तैयार हो। चुनावों में बार-बार हेरफेर के जरिए एक राजनीतिक दल फासीवादी शासन में बदल गया। जिन लोगों ने उन दिखावटी चुनावों का आयोजन किया, उन्हें लोगों ने अपराधी करार दिया। उनसे जो शासन उभरे, उन्हें आखिरकार जनता ने अस्वीकार कर दिया। अगस्त 2024 में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश की राजनीति के संदर्भ में यह एक बड़ा घटनाक्रम है। यूनुस ने पिछले कुछ महीनों के दौरान कई मौकों पर कहा है कि सुधारों के आधार पर अगला चुनाव दिसंबर 2025 और जून 2026 के बीच होगा। अब सरकार की ओर से तारीखों का एलान हो गया है। देश में अगले चुनाव करीब 11 महीने बाद होने हैं। खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी और उसकी विचारधारा वाले अन्य दल मांग कर रहे हैं कि चुनाव दिसंबर तक हो जाएं।

अरुणाचल में सेना ने दो संदिग्ध उग्रवादियों को किया ढेर

लोंगडिंग (हि.स.)। भारत-म्यांमार सीमा के पास हुए मुठभेड़ में भारतीय सेना को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले में सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों ने नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (एनएससीएन (के-वाईए) के दो संदिग्ध उग्रवादियों को मार गिराया है। शुक्रवार को सैन्य अधिकारियों ने बताया कि सेना की गश्ती टीम जब खुफिया सूचना के आधार पर लोंगडिंग जिले में सर्च ऑपरेशन चला रही थी। इसी दौरान घात लगाकर बैठे उग्रवादियों ने सुरक्षाबलों पर हमला बोल दिया। जवाबी कार्रवाई में घंटों तक गोलीबारी हुई। मुठभेड़ के दौरान दो उग्रवादी मारे गए, जबकि अन्य हमलावर घने जंगल का लाभ उठाकर पड़ोसी देश म्यांमार की ओर भाग गए। मारे गए उग्रवादियों की पहचान स्वयंभू सार्जेंट मेजर न्याकलुंग और लांस कॉर्पोरल न्योंग आओंग के रूप में हुई है। दोनों एनएससीएन (के-वाईए) गुट के सदस्य माने जा रहे हैं, जो भारत-म्यांमार सीमा पार गतिविधियों के लिए कुख्यात है। इलाके में सघन तलाशी अभियान जारी है और सेना अलर्ट पर है।

लखीमपुर में बंदर को मारकर खाने के आरोप में चार गिरफ्तार

लखीमपुर (हि.स.)। जिले के घिलामरा थाना क्षेत्र के बोरशामुख गांव में एक बंदर को मारकर उसका मांस खाने के आरोप में चार युवकों को गिरफ्तार किया गया है। घटना 27 जून की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी उकील टाइड ने कुछ किशोरों के सहयोग से एक बंदर को पकड़कर सार्वजनिक रूप से उसके साथ क्रूरता की। बाद में बंदर का मांस काटकर *वन्य औषधीय मांस* के नाम पर आस-पास के इलाकों में बांटा गया और खाया गया। घटना में ड्रून टाइड, संजीव टाइड और चारण मिलि का भी नाम सामने आया है, जिन्होंने इस कृत्य में सहयोग किया। मीडिया में खबर प्रकाशित होने के बाद पुलिस और वन विभाग हरकत में आया। ढकुवाखाना उपवन क्षेत्र की वन अधिकारी करबी हजारिका ने जिला वन अधिकारी मनोज कुमार गोस्वामी को इस कृत्य की जानकारी दी, जिसके बाद वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। घिलामरा पुलिस और वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई पहले असफल रही, क्योंकि गांव के प्रभावशाली लोगों ने आरोपितों को बचाने का प्रयास किया। बाद में मिसिंग समुदाय के एक संगठन की तत्परता से 12 घंटे के भीतर चारों आरोपितों को पकड़ा गया और घिलामरा थाने को सौंपा गया। गुरुवार रात संगठन के नेतृत्व में सभी आरोपितों को थाने लाया गया। शुक्रवार को पुलिस ने चारों को वन विभाग को सौंप दिया, जहां उनसे वन्यजीव संरक्षण कानून की धाराओं के तहत पूछताछ जारी है।

उमर अब्दुल्ला ने की पीएम की तारीफ, बोले-

जो अंग्रेज नहीं कर सके वो मोदी ने कर दिखाया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने चिनाब ब्रिज के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने वह कर दिखाया जो अंग्रेज भी नहीं कर सके। चिनाब ब्रिज प्रोजेक्ट को पूरा होते हुए देखना सबका सपना था, जिसे आज पीएम मोदी ने पूरा कर दिखाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेल ब्रिज पर तिरंगा लहराकर उद्घाटन किया। इसके बाद पीएम ने अंजी ब्रिज और कटर में कश्मीर की पहली ट्रेन वंदे भारत को हरी झंडी भी दिखाई। सीएम उमर अब्दुल्ला ने तारीफ करते हुए कहा कि जो काम अंग्रेज न कर सके, वो काम पीएम मोदी ने पूरा कर दिखाया। उन्होंने कहा कि जब ये प्रोजेक्ट शुरू हुआ तो मैं 8वीं क्लास में था। अब मैं 55

साल का हो गया हूं। इस प्रोजेक्ट से जम्मू-कश्मीर को बहुत फायदा होगा। स्थानीय लोगों को आने वाले दिनों में बहुत लाभ मिलने जा रहा है। चिनाब ब्रिज से प्रदेश के विकास में तेजी आएगी। उमर ने आगे कहा कि इसका ख्वाब कई दशकों तक देखा गया। अंग्रेजों तक ने यह सपना देखा। लेकिन, जो अंग्रेज के हाथों न पूरा हो सका वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यकाल में संपन्न हुआ। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इस परियोजना से राज्य के विकास में तेजी आएगी। इससे राज्य के किसानों, विशेषकर सेब का व्यापार करने वालों लोगों को बहुत फायदा होगा। अब कश्मीर में पैदा होने वाले सेब देश के अलग-अलग हिस्से में आसानी पहुंच सकेंगे, जिससे देश की आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि इससे न केवल आमदनी बढ़ेगी, बल्कि युवाओं को भी रोजगार मिलेगा। पीएम ने कहा कि मुझे चिनाब ब्रिज और अंजी ब्रिज का उद्घाटन करने का मौका मिला, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। दो नई ट्रेनें जम्मू-कश्मीर को मिलीं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि मैं इस विकास के लिए आप सबको बधाई देता हूं। यहां कई पीढ़ियां रेल कनेक्टिविटी का सपना देखते हुईं गुजर गईं।

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में 12 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

गढचिरोली (हि.स.)। महाराष्ट्र के नक्सल विरोधी अभियान को शुक्रवार को बड़ी जीत मिली। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में 12 दुर्दांत नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण किया। मुख्यमंत्री ने सभी को संविधान की प्रति भेंटकर उनका स्वागत किया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों पर 1 करोड़ से ज्यादा का इनाम था। महाराष्ट्र का गढचिरोली जिला नक्सल प्रभावित इलाके के रूप में पहचाना जाता था, लेकिन विकास के चलते अब नक्सलवाद यहां दम तोड़ रहा है। सुरक्षाबलों की सख्ती और जिले में होते विकास को देखते हुए नक्सल मूवमेंट में शामिल नक्सली लगातार हथियार छोड़कर मुख्य धारा में आ रहे हैं।

पृष्ठ एक का शेष

पीएम मोदी ने ...

ने अंजी पुल का भी उद्घाटन किया, जो भारत का पहला केबल-स्टे रेलवे ब्रिज है। यह पुल कटरा और रियासी को जोड़ता है और इसकी खूबसूरती के साथ मजबूती भी अद्वितीय है। कठिन भौगोलिक स्थितियों में इस पुल का निर्माण एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। प्रधानमंत्री ने कटरा से श्रीनगर के बीच वंदे भारत ट्रेन को रवाना किया। यह ट्रेन अब हर मौसम में घाटी को जम्मू क्षेत्र से जोड़ेगी। यह सुविधा न केवल यात्रियों को राहत देगी बल्कि तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए भी बड़ी सौगात होगी। इससे कटरा से श्रीनगर की यात्रा का समय घटकर सिर्फ 3 घंटे के करीब रह जाएगा। प्रधानमंत्री का यह दौरा पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले के बाद हो रहा है, जिससे यह संदेश गया कि अब जम्मू-कश्मीर में विकास को रोका नहीं जा सकता। कश्मीर में यह यात्रा सुरक्षा और स्थिरता के नए युग की शुरुआत मानी जा रही है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि ये परियोजनाएं दिल की दूरी और दिल्ली की दूरी को कम करेंगी। उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी बढ़ने से क्षेत्र में रोजगार, निवेश और पर्यटन के नए द्वार खुलेंगे। यह न केवल स्थानीय लोगों को फायदा देगा, बल्कि देशभर से आने वाले सैलानियों के लिए भी जम्मू-कश्मीर अब और पास हो जाएगा। इन संरचनाओं के शुरू होने से पर्यटन में जबरदस्त उछाल आने की संभावना है। अमरनाथ यात्रा हो या गुलमर्ग की बर्फीली वादियां, अब ट्रेन से सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा संभव होगी। इसके अलावा व्यापारिक गतिविधियों को भी रफ्तार मिलेगी, जिससे स्थानीय बाजारों को नया जीवन मिलेगा।

पहलगाम हमले ने ...

जम्मू-कश्मीर के युवाओं ने आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने का संकल्प ले लिया है। प्रधानमंत्री ने कटरा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में 46 हजार करोड़ रुपए की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहलगाम हमले से राज्य में विकास का वातावरण डिगने वाला नहीं है। विकास की हर बाधा को पहले *मोदी* का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर के युवा बड़े सपने देख रहे हैं और उन्हें पूरा भी कर रहे हैं। बाजार, मॉल और सिनेमा हॉल फिर से जीवंत हो रहे हैं। लोग चाहते हैं कि कश्मीर एक बार फिर फिल्म शूटिंग और खेलों का केंद्र बने। पर्यटन न सिर्फ लोगों को जोड़ता है, बल्कि रोजगार भी पैदा करता है, लेकिन पाकिस्तान, जो मानवता और पर्यटन दोनों का विरोधी है, कश्मीर के पर्यटन और गरीबों की आजीविका को निशाना बना रहा है। प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज 6 जून है। संयोग से ठीक एक महीने पहले, आज की ही रात पाकिस्तान के आतंकियों पर कयामत बरसी थी। अब पाकिस्तान कभी भी ऑपरेशन सिंदूर का नाम सुनेगा तो उसे अपनी शर्मनाक शिकस्त याद आएगी। पाकिस्तानी फौज और आतंकियों ने कभी नहीं सोचा था कि भारत, पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों पर इस तरह वार करेगा। वर्षों की मेहनत से उन्होंने आतंक की जो इमारतें बनाई थीं, वो कुछ ही मिनटों में खंडहर बन गईं। उन्होंने कहा कि चिनाब और अंजी पुल भारत की इंजीनियरिंग शक्ति का प्रतीक हैं। ये दुर्गम पहाड़ियों में बने हैं और अब पर्यटन, व्यापार और स्थानीय उद्योगों के लिए रीढ़ साबित होंगे। उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल परियोजना जम्मू-कश्मीर की नई पहचान और भारत की नई शक्ति का प्रतीक बन गई है। हाल ही में जम्मू-कश्मीर को दो नई वंदे भारत ट्रेनें और 46 हजार करोड़ रुपए की विकास परियोजनाएं प्राप्त हुई हैं, जो क्षेत्र को नई गति देंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जम्मू और श्रीनगर में अब आईआईटी, आईआईएम, एम्स और एनआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान मौजूद हैं। पिछले पांच वर्षों में सात नए मेडिकल कॉलेज शुरू किए गए हैं और एमबीबीएस सीटों की संख्या 500 से बढ़कर 1300 हो गई है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि रियासी जिले को शीघ्र ही एक नया मेडिकल कॉलेज मिलेगा, जिससे स्वास्थ्य सुविधाएं और बेहतर होंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा-नीत राजग सरकार के 11 वर्ष गरीबों के कल्याण को समर्पित रहे हैं। इन वर्षों में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से चार करोड़ गरीब परिवारों को पक्के मकान मिले हैं। जो लोग दलितों और पिछड़ों के नाम पर राजनीति करते हैं, उन्हें उनकी सरकार की योजनाओं में लाभ पाने वालों को देखना चाहिए- ये वही दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग हैं, जो पहले झोपड़ियों और जंगलों में जीवन बिताते थे। इसके पहले प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज का उद्घाटन किया। उन्होंने अंजी पुल का भी उद्घाटन किया। इसके साथ-साथ प्रधानमंत्री ने कटरा रेलवे स्टेशन से कटरा और श्रीनगर को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाई।

जी-7 सम्मेलन में ...

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री को भी शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से फोन पर बात कर खुशी हुई। मैंने उन्हें हाल ही में हुए चुनाव में जीत की बधाई दी और इस महीने के अंत में कनानास्किस में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने आगे कहा कि भारत और कनाडा दोनों ही जीवंत लोकतंत्र हैं और हमारे लोगों के बीच गहरे संबंध हैं। हम आपसी सम्मान और साझा हितों के आधार पर नई ऊर्जा के साथ मिलकर काम करेंगे। जी-7 शिखर सम्मेलन में उनसे मुलाकात को लेकर उत्सुक हूं। विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनकी कनाडाई समकक्ष अनीता आनंद की हाल ही में फोन पर बातचीत हुई थी। जिसके बाद दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही तनातनी के बाद संबंधों में सुधार के संकेत मिलने लगे थे। भारत और कनाडा के रिश्ते तब बिगड़ गए थे जब सितंबर 2023 में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया था। भारत ने इन आरोपों को *बेबुनियाद और गलत* बताया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों में गिरावट आई और एक-दूसरे के कई राजनयिकों को देश छोड़ने के लिए कहा गया। जी-7 में भारत को आमंत्रित न किए जाने पर विपक्ष ने हाल ही में सरकार पर निशाना साधा था और इसे एक बड़ी कूटनीतिक चूक बताया था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा था कि छह साल में पहली बार भारत शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं हो रहा है। रमेश ने कहा था कि भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और अंतर्राष्ट्रीय नीतियों को आकार देने के लिए ऐसे मंचों पर भागीदारी महत्वपूर्ण है। भारतीय प्रधानमंत्रियों को आमंत्रित करने की परंपरा 2014 के बाद भी जारी रही, लेकिन अब 6 साल में पहली बार विश्वगुरु कनाडा शिखर सम्मेलन में मौजूद नहीं रहेंगे। चाहे जो भी कहा जाए, लेकिन तथ्य यही है कि यह एक और बड़ी कूटनीतिक चूक है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला था कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 2007 में शिखर सम्मेलन में भाग लिया था कि जहां जलवायु परिवर्तन वार्ता के लिए प्रसिद्ध सिंह-मर्केल फॉर्मूला का अनावरण किया गया था।

खराब जल निकासी ...

भी बदतर हो जाती है। उन्होंने कहा कि अगर कहीं खाली जमीन है, तो पानी वहां तक जा सकता है। लेकिन अगर दो दिन बाद वहां कोई इमारत बन जाती है, तो पानी कहां जाएगा? उन्होंने चेतावनी दी कि शहरी विकास जारी रहने के कारण कृत्रिम बाढ़ की समस्या तब तक बनी रहेगी जब तक कि उचित जल निकासी व्यवस्था नहीं बनाई जाती। शर्मा ने कहा कि हमें बेहतर जल निकासी व्यवस्था बनानी होगी और इस समस्या का समाधान करना होगा।

बाढ़ की स्थिति ...

अधिक फसल भूमि को नुकसान पहुंचाया है। आज सुबह तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। राज्य सरकार ने विशेष रूप से श्रीभूमि जिले में निकासी अभियान के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों को तैनात किया है। राहत कार्य जारी है और राज्य भर में स्थापित 175 राहत शिविरों में 41,000 से अधिक लोग शरण लिए हुए हैं। इस बीच, बाढ़ के कारण कई स्थानों पर सड़क, रेल और नौका सेवाएं बाधित हुई हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आने वाले दिनों में असम के अधिकांश हिस्सों में मध्यम वर्षा होने का अनुमान लगाया है।

विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया ने राज्य की शस्त्र लाइसेंस योजना के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप की मांग की

गुवाहाटी। असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया ने संवेदनशील, दूरदराज और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले पात्र मूल निवासियों और स्वदेशी भारतीय नागरिकों को हथियार लाइसेंस प्रदान करने के लिए एक नई योजना लाने के राज्य मंत्रिमंडल के हालिया फैसले का विरोध किया है और कहा है कि यह असंवैधानिक कार्रवाई असम की कठिनाई से प्राप्त शांति को खतरे में डाल देगी। सैकिया ने कहा कि ऐसी नीति मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करेगी तथा राज्य में तनाव पुन: भड़क सकता है। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक आधार पर नागरिकों को हथियार देना आपदा का नुस्खा है। असम सरकार द्वारा सतर्कता न्याय को बढ़ावा देना कानून प्रवर्तन का समर्थन करने की अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी का परित्याग दर्शाता है। उन्हें याद रखना चाहिए कि बंदूक की नोक पर शांति कायम नहीं रह सकती। महत्वपूर्ण अशांति के इतिहास के बाद, असम की जनता ने आखिरकार शांति का अनुभव किया है। भाजपा सरकार को इस नाजुक संतुलन को खतरे में नहीं डालना चाहिए। असम को प्रगति की जरूरत है, पिस्तौल की नहीं। असम को विकास की जरूरत है, मौत की नहीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल को संबोधित पत्रों में वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने इस *खतरनाक और विभाजनकारी नीति* को रद्द करने के लिए तत्काल केंद्रीय हस्तक्षेप की मांग की। विपक्ष के नेता ने इस बात पर जोर दिया कि संविधान का अनुच्छेद 21 सभी नागरिकों को कानून के तहत समान सुरक्षा की गारंटी देता है, जिससे समुदाय-विशिष्ट हथियारों का वितरण मौलिक रूप से भेदभावपूर्ण हो जाता है। उन्होंने इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की कि यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब असम ने दशकों के उग्रवाद और संघर्ष के बाद आखिरकार सापेक्ष स्थिरता हासिल कर ली है। पत्रों में अन्य संघर्ष क्षेत्रों के उदाहरणों का हवाला दिया गया है, जहां इसी प्रकार की नीतियों के कारण अवैध हथियारों का प्रसार हुआ तथा छोटे-मोटे विवाद घातक मुठभेड़ों में बदल गए। सैकिया ने नीति के खतरनाक जनसांख्यिकीय प्रभावों के बारे में भी चेतावनी दी तथा कहा कि चुनिंदा हथियारों के प्रयोग से मौजूदा सामाजिक विभाजन और गहरा हो सकता है तथा संभावित रूप से नए सशस्त्र गुटों का निर्माण हो सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि असम की नाजुक शांति वर्षों के संवाद और विश्वास-निर्माण उपायों के माध्यम से बनी है, न कि समुदायों को एक-दूसरे के खिलाफ हथियारबंद करके। निर्णय को तत्काल वापस लेने की अपील करते हुए सैकिया ने केंद्र सरकार से स्थिति बिगड़ने से पहले हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। उन्होंने *नागरिक हथियारों को बढ़ावा देने के बजाय* पेशेवर कानून प्रवर्तन तंत्र को मजबूत करने का भी आह्वान किया।

पहलगाम हमले के बाद समाज में एकता दिखी : भागवत

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत ने कार्यकर्ता विकास वर्ग द्वितीय के समापन समारोह में कहा कि हमें अपनी सुरक्षा के मामले में स्व निर्भर होना चाहिए और इसके लिए सेना, शासन-प्रशासन के साथ समाज बल आवश्यक है। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद की गई कार्रवाई से देश की रक्षा और रक्षात्मक अनुसंधान क्षमताएं सिद्ध हुईं। समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद नेताम प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंच पर विदर्भ प्रांत संघचालक दीपक तामशेट्टीवार, वर्ग के सर्वाधिकारी समीर कुमार महांती और नागपुर महानगर संघचालक राजेश लोया मौजूद थे। सरसंघचालक ने कहा कि पहलगाम में हुए नृशंस हमले के बाद देशभर में आक्रोश की लहर थी। लोगों की अपेक्षा थी कि अपराधियों को कठोर दंड मिले। हमले के अपराधियों पर कठोर कार्रवाई भी हुई। इस दौरान पूरे समाज में अभूतपूर्व एकता का वातावरण दिखाई दिया। राजनीतिक मतभेद भूलाकर सभी ने सहयोग का हाथ बढ़ाया। देशभक्ति के इस वातावरण में हमने अपने आपसी मतभेदों को भी पीछे छोड़ दिया। हालांकि, इस कारवाई के बाद भी समस्या समाप्त नहीं हुई है और संकट कायम है। उलझनें पैदा करने के प्रयास जारी हैं। द्वि-राष्ट्रवाद का भूत कायम है। आतंकवाद और साइबर वॉर का आधार लेकर प्रॉक्सी वॉर जारी है। मोहन भागवत ने कहा कि देश में युद्ध के प्रकार बदल रहे हैं। इस अवसर

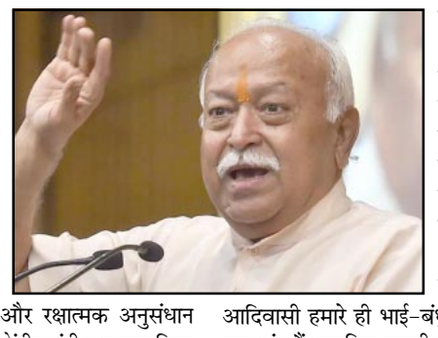

पर दुनिया के दूसरे देशों की भी परीक्षा हो रही है। सत्य के साथ कौन खड़ा होता है और कौन स्वार्थी है, इसकी भी परीक्षा हुई है। इस सारी पृष्ठभूमि में हमें अपनी रक्षा के लिए आत्मनिर्भर होना ही होगा। उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण, दोनों बातें साथ-साथ रह सकती हैं। आदिवासी हमारे ही भाई-बंधु हैं। वे हमारे समाज का ही एक अंग हैं। इसलिए उनकी समस्याएं हम निश्चित रूप से शासन के सामने रखेंगे। उसके लिए हमारी एक कार्यपद्धति है। शासन अपना काम करेगा। हमारे विभिन्न संगठनों के माध्यम से स्वयंसेवकों ने वनवासी क्षेत्र में बहुत काम किया है। इस कार्यक्रम में विशिष्ट आमंत्रित अतिथि के तौर परबिल शुस्टर (पेन्सिल्वानिया के नौवें जिले के पूर्व अमेरिकी सांसद और हाऊस ट्रांसपोर्टेशन कमेटी के पूर्व अध्यक्ष), बॉब शुस्टर (सार्वजनिक नीति और व्यवसाय के विशेषज्ञ वकील और वन+ स्ट्रैटेजीज के संस्थापक भागीदार), ब्राडफोर्ड एलिसन (सार्वजनिक धोरणाचे अभ्यासक तसेच तपास आणि आर्थिक नियमांचे विशेषज्ञ), प्रो. वॉल्टर रसेल मेड (सुप्रसिद्ध शिक्षाविद, लेखक, अंतर्राष्ट्रीय मामले, नीति और रणनीति अभ्यासक, हडसन, फ्लोरिडा विद्यापीठ और एस्पेन इन्स्टिट्युट इटली से संबंध) और बिल ड्रेक्सेल (एआई और प्रौद्योगिकी में रुचि, हडसन यूनिवर्सिटी में फेलो, अमेरिका-भारत संबंधों के विशेषज्ञ, द वाशिंग्टन पोस्ट, सीएनएन और द वॉल स्ट्रीट जर्नल जैसे समाचार पत्रो में योगदान) शामिल हुए।

मोदी सरकार के 11 साल के कामकाज की रिपोर्ट लेकर जनता के बीच जाएगी भाजपा

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार के तीसरे कार्यकाल का 9 जून को एक साल पूरा होने जा रहा है। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी ने सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाने का फैसला किया है। इसके तहत 10 जून से सरकार के मंत्रियों के दौरे शुरू होंगे और तमाम जगहों पर प्रेस कॉफ्रेंस होगी। मंत्री अपने-अपने मंत्रालयों में किए गए कामों को गिनवाएंगे। इसके साथ देशभर में गोष्ठी और सभा का भी आयोजन होगा। पार्टी स्तर पर भी इसे लेकर तैयारियां की गई हैं। शुक्रवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पर संदेश साझा करते हुए कहा कि भारत के युवाओं की आकांक्षाएं हमेशा से हमारी नीति निर्माण के केंद्र में रही हैं। मोदी सरकार के पिछले 11 वर्षों में, उन्हें पूरी तरह से सशक्त बनाने और उन्हें देश के विकास में सबसे आगे रखने के लिए बेहतर शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने दूसरी बार बराक घाटी का किया निरीक्षण, हैलाकांदी व श्रीभूमि जिलों का लिया जायजा

हैलाकांदी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने महज 72 घंटे के भीतर दूसरी बार बाढ़ प्रभावित बराक घाटी का दौरा किया। इस बार उनका मुख्य उद्देश्य था हैलाकांदी और श्रीभूमि जिलों में बाढ़ की स्थिति का जमीनी स्तर पर निरीक्षण करना। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार सुबह हैलाकांदी जिले के कालीनगर स्थित एक बाढ़ राहत शिविर का दौरा किया। यह शिविर निर्माणाधीन कालीनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन में चल रहा है, जहां बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों को आश्रय दिया गया है। उन्होंने प्रत्येक कक्ष का निरीक्षण किया और 450 से अधिक पीड़ित लोगों की स्थिति के बारे में जानकारी ली तथा उनकी समस्याएं ध्यान से सुनीं। इस दौरान बराक घाटी के दो मंत्री कौशिक राय और कृष्णेंदु पाल भी मुख्यमंत्री के साथ मौजूद थे। इसके बाद मुख्यमंत्री पंचग्राम टाउन हाईस्कूल में स्थापित राहत शिविर पहुंचे, जहां वर्तमान में 919 बाढ़ पीड़ित रह रहे हैं। शिविरवासियों को आश्वस्त किया कि सरकार उनके साथ है और उनसे अपने बैंक खाता का नंबर तैयार रखने को कहा, ताकि जल्द आवश्यक आर्थिक सहायता सीधे उनके खातों में भेजी जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रही है।

गौरव गोगोई का सिलचर आना बड़ी बात कभी विदेश भी जा सकते हैं : मुख्यमंत्री का तंज

श्रीभूमि (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस सांसद तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई पर तीखा हमला बोला है। शुक्रवार को श्रीभूमि में बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण करने के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि गौरव गोगोई के परिवार के चार सदस्यों में से तीन विदेशी नागरिक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके परिवार में चार लोग हैं, जिनमें से तीन विदेशी हैं। वो सिलचर आए- बस यही बड़ी बात है। कौन जाने, आगे चलकर वे भी विदेश चले जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा का यह बयान गोगोई की असम और भारत के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल उठाने वाला माना जा रहा है।

शहर में ट्रैफिक सुधार के लिए गुवाहाटी में जुलूसों पर रोक

गुवाहाटी (हिंस)। ट्रैफिक जाम की समस्या को गंभीरता से लेते हुए गुवाहाटी पुलिस कमिश्नरेट ने शहर की सीमाओं में सभी प्रकार के जुलूसों, रैलियों, रन, मैराथन और वॉकाथॉन पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। यह आदेश 6 जून से प्रभावी हुआ है और इसे पुलिस उपायुक्त (प्रशासन), इम्दाद अली, एपीएस द्वारा जारी किया गया है। यह कदम भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत उठाया गया है। प्रशासन का कहना है कि ऐसे आयोजनों के कारण शहर की सड़कों पर भारी भीड़ हो जाती है, जिससे न सिर्फ आम यात्रियों को परेशानी होती है, बल्कि एंबुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाएं भी प्रभावित होती हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस आदेश का उद्देश्य सड़क उपयोग को अधिक प्रभावी बनाना और आपात सेवाओं के निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करना है। पिछले कुछ समय में नागरिकों से ऐसे आयोजनों के कारण उत्पन्न असुविधा को लेकर कई शिकायतें मिली थीं। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, यह आदेश पूरी तरह से एकतरफा नहीं है। जिन नागरिकों को इससे आपत्ति है, वे अपने तर्कों के साथ लिखित रूप में उपायुक्त (पुलिस) को आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। गुवाहाटी प्रशासन का यह कदम शहरी यातायात को बेहतर ढंग से नियंत्रित करने और निवासियों की जीवन गुणवत्ता सुधारने की व्यापक रणनीति के हिस्से के रूप में जाना जा सकता है।

सीमा पर बीएसएफ ने पकड़ा तीन बाइक सवार युवक

धुबुड़ी (हिंस)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर असम के धुबड़ी जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने तीन बाइक सवार युवकों को उस समय पकड़ा, जब वे गूगल मैप के सहारे रास्ता तलाशते हुए सोनाहाट अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र के गेट तक पहुंच गए। युवकों के अनुसार, वे पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले के बालाभूत जाना चाह रहे थे। लेकिन गूगल मैप पर रास्ता देखते-देखते वे पहुंच गए धुबड़ी जिले के गोलकगंज क्षेत्र स्थित भारत-बांग्लादेश की अंतर्राष्ट्रीय सीमा तक। बीएसएफ ने तुरंत तीनों को हिरासत में लेकर गोलकगंज थाना पुलिस को सौंप दिया। पूछताछ में युवकों ने बताया कि वे एएस- 01 एएफ 5157 नंबर की अपाचे बाइक से यात्रा कर रहे थे। पकड़े गए तीनों युवक धुबुड़ी जिले के मतीरचर इलाके के निवासी हैं, जिनकी पहचान महमदुल हसन, अबु तालिब और हाफिजुल रहमान के रूप में हुई है। फिलहाल गोलकगंज पुलिस तीनों से गहन पूछताछ कर रही है।

रिश्वत लेते रंगे हाथ आबकारी उपाधीक्षक और कांस्टेबल गिरफ्तार

बिश्वनाथ (हिंस)। बिश्वनाथ जिले में पुलिस के भ्रष्टाचार निगरानी और निवारण विभाग की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। कार्रवाई के दौरान बिश्वनाथ जिला आबकारी विभाग के उपाधीक्षक मर्मेश्वर दास को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। उनके साथ ही उसी कार्यालय में कार्यरत कांस्टेबल अभिजीत बरुवा को भी गिरफ्तार किया गया है, जिसने इस मामले में उनका सहयोग किया था। भ्रष्टाचार विभाग दोनों से पूछताछ कर रहा है और आबकारी विभाग के कार्यालय में जांच जारी है। मामला दिगंत बोरा से जुड़ा है, जिसने पत्नी के नाम पर एक वाइन बार खोलने की अनुमति प्राप्त की थी। इसके बाद उपाधीक्षक मर्मेश्वर दास ने बार शुरू करने के एवज में एक लाख रुपए की मांग की थी। बाद में यह सौदा 50 हजार रुपए में तय हुआ। शुक्रवार को जब यह रिश्वत कार्यालय में दी जा रही थी, तभी दोनों आरोपियों मर्मेश्वर दास और अभिजीत बरुवा को रंगे हाथों पकड़ लिया गया। शिकायतकर्ता दिगंत बोरा पहले से ही एक अन्य वाइन बार चला रहा है।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता समेत विद्यार्थियों का अभिनंदन कार्यक्रम 20 को

रंगिया (विभास)। दक्षिण पश्चिम रंगिया क्रिस्टी विकास समिति के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की तरह इसबार भी 20 जून को कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा दिवस का व्यापक आयोजन किया गया है। विभिन्न कार्यक्रमों के साथ इस मौके पर समिति की ओर से एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा जिसमें कक्षा छठी से लेकर उच्च कक्षा तक के नियमित छात्र छात्राएं भाग ले सकेंगे। समिति के अध्यक्ष अजान वैश्य और मुख्य सचिव यादव चंद्र दास द्वारा बताया गया है कि प्रतियोगिता के प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त विजेताओं को क्रमश: आठ व छह हजार रुपए नगद पुरस्कार सहित ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। बताया कि यह प्रतियोगिता रंगिया मोहखोली मिलन चौक स्थित समिति के कार्यालय प्रांगण में सुबह 10 बजे प्रारंभ की जाएगी। जिसमें शामिल होने के लिए 18 मई तक संपर्क किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के बारे में अधिक जानकारी के लिए 8011826774, 9957655056, 7002540439 नंबरों पर सम्पर्क किया जा सकता है। वहीं तर्क साहित्य विभाग के अध्यक्ष दिनमणि डेका और सचिव अरण्यम कश्यप द्वारा कार्यक्रम में सभी की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन की कामना की गई है।

नगांव नेहरू युवा केंद्र में गाणनिक धनंजय तालुकदार का विभिन्न संगठनों ने किया स्वागत

गुवाहाटी (पूसं.)। युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत (पूर्व में नेहरू युवा केंद्र) ने शुक्रवार को नगांव में अपने कार्यालय में एक विशेष स्वागत बैठक आयोजित की, नेहरू युवा केंद्र नगांव सालों से जिले के युवाओं और युवा संगठनों के लिए सामाजिक जिम्मेदारी, सामाजिक विकास विशेष रूप से सांस्कृतिक सद्भाव, भाईचारा, एकता और कौशल विकास, खेलों में सुधार और नि:शुल्क ऑक्सीजन सेवा, निशुल्क रक्तदान, सुलभ एंबुलेंस सेवा के जरिए नगांव जिले में एक उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले कार्यालय के गाणनिक और कार्यक्रम अधिकारी धनंजय तालुकदार को जिले के विभिन्न अग्रणी स्वंयसेवी संगठनों ने विशेष रुप से स्वागत किया और उनका सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में राष्ट्र संघ के सामाजिक प्रतिनिधि पंकजज्योति हजारिका, स्वंयसेवी संगठन कलंग कला केंद्र के चितरंजन बोरा, फाइनेस सोसाइटी के नयन गोस्वामी,

द्रोणाचार्य द रिदम ऑफ आर्ट के अंजन कौशिक शर्मा, अध्ययन एजुकेशन सोसाइटी कलियाबर के जुगल बोरा, दिनवो नगांव की अध्यक्ष नाजनीन अख्तर, कदमनी बहुमुखी समाज परिषद के शाहिदुल इस्लाम मुला, रौनक डेवलपमेंट सोसाइटी के अब्दुल मन्नान, शंकरदेव चित्रकला विद्यालय चमुवागांव के अजीत बोरा, नटराज डांस अकादमी के धर्म प्रसाद कलिता और बरपाथरी जलाह उजरी सम्मिलित संघ के दिलीप सइकिया, शिल्पालय नगांव के अतनू बरुवा, नवबूपटि शिल्पी संघ के धर्मेश्वर हजारिका, बिहू शिल्पी संघ के पदुम प्रसाद सइकिया, नवरूप शिल्पी समाज के द्वीपेन सइकिया, नारायणपुर कृषि समवाय समिति काकी के दादुल बोरा, ग्राम विकास परिषद के हिमांशु ज्योति बोरा, शुत्रधार के गौरव हजारिका, नगांव जिला उद्यान समिति के शरत चमुआ, शिल्पकाणन के शोनित कुमार बोरा, नगांव शिक्षण महाविद्यालय की सेवानिवृत्त प्रिंसिपल डॉ. तुलुमनी देवी, नगांव जिला खेल संघ के महासचिव तपन दास, संवादकर्मी सूरज कुमार बोरा, राज बोरा आदि ने तालुकदार का गर्मजोशी से स्वागत किया है और सम्मानित किया। उपस्थित लोगों ने नेहरू युवा केंद्र नगांव तथा नए रुप नामकरण हुए मेरा युवा भारत नगांव के आगामी दिनों में धनंजय तालुकदार के नेतृत्व जिले के युवा विकास के विभिन्न परियोजना सफल क्रियांवित और युवा शक्ति को एक सही दिशा में नेतृत्व देगी। पिछले छह वर्षों में नगांव में आई स्थिरता अधिक कुशल और गतिशील बनेगी।

ड्रग्स समेत एक तस्कर गिरफ्तार

डिब्रूगढ़ (हिंस)। डिब्रूगढ़ जिले के दुलियाजान इलाके में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चला कर एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि जिले के नागाजान तीनाली में चलाया गए अभियान के दौरान एक ड्रग्स तस्कर को 11.80 ग्राम ड्रग्स समेत गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार की पहचान डिब्रूगढ़ जिले के टिगखांग बरहोला कछारी गांव निवासी शरण कुमार सोनवाल के रूप में की गई है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी के पास से ड्रग्स के अलावा एक बाइक जब्त किया है। घटना के संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस गिरफ्तार आरोपी से सघन पूछताछ कर रही है।

135 पारिस्थितिकी टास्क फोर्स ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

कोकराझाड़(विभास)। 135 पारिस्थितिकी टास्क फोर्स ने बटालियन मुख्यालय बिश्मुरी में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में असम सरकार के मंत्री युजी ब्रह्म सांसद जयंतो बसुमतारी और बीटीसी के कार्यकारी सदस्य रंजीत बसुमतारी उपस्थित थे। साथ ही 135 इकोलॉजिकल टास्क फोर्स ने बोड़ोलैंड यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर विश्व पर्यावरण दिवस पर यूनिवर्सिटी कैंपस में संयुक्त पौधरोपण अभियान चलाया। इस कार्यक्रम में बोड़ोलैंड यूनिवर्सिटी के माननीय कुलपति डॉ. बी.एल. आहूजा, कमांडिंग ऑफिसर 135 टीए कर्नल डेविड खोजोल, द्वितीय श्रेणी लेफ्टिनेंट कर्नल ई प्रेमजीत सिंह, डीन और वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के प्रोफेसर इबेम्चा चानू भी मौजूद थे। साथ ही 135 पारिस्थितिकी टास्क फोर्स ने आईओसीएल बोंगाईगांव और डीपीएस के छात्रों के साथ वृक्षारोपण अभियान चलाया, इस कार्यक्रम में कर्नल डेविड खोजोल, लेफ्टिनेंट कर्नल ई प्रेमजीत सिंह, बोंगाईगांव रिफाइनरी के मुख्य जीएम और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 31 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), गोसाइगांव द्वारा पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए बटालियन मुख्यालय एवं सभी सीमा चौकियों (बीओपीएस) पर विविध गतिविधियां आयोजित की गईं। वाहिनी मुख्यालय, गोसाइगांव में कई रोचक और विचारोत्तेजक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें उप अधीनस्थ अधिकारियों और जवानों के बीच वाद-विवाद एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें पर्यावरणीय चुनौतियों, संरक्षण की रणनीतियों और सतत विकास जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम ने जागरूकता बढ़ाने और ज्ञान साझा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बच्चों में पर्यावरणीय चेतना विकसित करने के उद्देश्य से दो आयु वर्गों - 5 से 10 वर्ष और 10 से 15 वर्ष- के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई।

तीन किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। बाइहाटा चारिआली पुलिस ने अवैध रूप से गांजा का व्यापार करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बाइहाटा चारिआली थाना क्षेत्र के अंतर्गत बेजेरा इलाके में की गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि स्थानीय लोगों का आरोप था कि बेजेरा निवासी दिलीप डेका लंबे समय से अपने व्यवसायिक प्रतिष्ठान के माध्यम से गांजा का व्यापार कर रहा था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बेजेरा मेडिकल के पास स्थित उसके प्रतिष्ठान में बीती रात छापा मारा। तलाशी के दौरान पुलिस को करीब तीन किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने आरोपी दिलीप डेका को मौके से गिरफ्तार कर उसे शुक्रवार को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

मेयर ने आठगांव फ्लाईओवर के नीचे सार्वजनिक शौचालय का उद्घाटन किया

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी नगर निगम के 16 नंबर वार्ड के अंतर्गत आठगांव फ्लाईओवर के नीचे गुवाहाटी नगर निगम पूंजी कोष से आवंटित धनराशि से निर्मित सार्वजनिक शौचालय का उद्घाटन मेयर मृगेन शरणीया ने दीप प्रज्वलित करके तथा फीता काट करके किया। इस अवसर पर 16 नंबर वार्ड के पार्षद प्रमोद स्वामी, नगर निगम डिवीजन चार की कार्यकारी अभियंता वंदना ओझा, नगर निगम के जेटीओ प्रबाल दास, चाबीपुल वाल्मीकि सेवा समिति के अध्यक्ष श्री चंद वाल्मीकि उपस्थित थे। इस अवसर पर मेयर ने अपने संबोधन में कहा कि निगम के साठ वार्डों में प्रत्येक को कम से कम एक शौचालय निर्माण करने का आश्वासन हमने दिया था। किंतु अब तक 108 शौचालय संपूर्ण हो चुके हैं। अब हमने छोटे-छोटे सार्वजनिक शौचालय के निर्माण का कार्य शुरू किया है। जिसमें नामघर, महिला समिति की स्थाई जगह पर कार्यालय, मंदिर, पुस्तकालय, क्लब में जहां पानी की व्यवस्था है वही निर्माण कार्य चल रहा है। अब तक कुल 300 से अधिक छोटे-छोटे शौचालय बनेंगे।

पार्षद प्रमोद स्वामी ने कहा कि हमारे वार्ड में हमने कई प्रकल्प पूरे कर लिए हैं जिनमें आज फ्लाईओवर के नीचे सार्वजनिक शौचालय के उद्घाटन के अलावा एल ओ जी हिंदी हाई स्कूल में शौचालय और पानी की बोरिंग, राम जानकी मंदिर में पानी की बोरिंग, दक्षिण पाट नामघर सत्र में बोरिंग एवं सामुदायिक भवन का निर्माण, हरेन कलिता पथ में नाला बनाने का काम पूर्णता की ओर है। श्री स्वामी ने आगे कहा कि आठगांव फ्लाईओवर के नीचे जाली लगाकर घेरना तथा इसके बीच सामुदायिक भवन निर्माण करने के लिए आज हमने मेयर से अनुरोध किया है। इसके लिए हमें लोक निर्माण विभाग से अनुमति लेकर यह कार्य करना होगा। अनुमति मिलते ही जल्द ही यह कार्य भी प्रारंभ हो जाएगा। चाबी पुल वाल्मीकि समाज के सचिव कैलाश कुमार ने कहा कि इस तरह के शौचालय बनने से वाल्मीकि समाज के युवकों को रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। कार्यक्रम में तेरापंथ समाज के दिलीप दुगड़ ने मेयर को ध्यान क्यों नामक एक साहित्य भी प्रदान किया।

उत्तर-पूर्व में इलेक्ट्रिक स्कूटर की बढ़ती मांग को लेकर राज्य में किया अपना विस्तार

गुवाहाटी। असम में प्रीमियम इलेक्ट्रिकस्कूटरों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रमुख इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता, एथर एनर्जी लिमिटेड ने गुवाहाटी में अपना दूसरा एक्सपीरियंस सेंटर शुरू किया है। यह एक्सपीरियंस सेंटर आनंद नगर, क्रिश्चियन बस्ती में स्थित है। इस नए एक्सपीरियंस सेंटर पर परफॉर्मेंसस्कूटरों की नई 2025 एथर 450 रेंज और एथर का फैमिली स्कुटर, रिज़्टा टेस्ट राईड एवं बुकिंग के लिए उपलब्ध होंगे। श्री रवनीत सिंह फोकेला, चीफ बिजनेस ऑफिसर, एथर एनर्जी ने कहा कि असम और पूरा उत्तर पूर्व क्षेत्र पारंपरिक रूप से प्रीमियम टू-व्हीलर का बाजार है। इस पूरे क्षेत्र में इलेक्ट्रिक स्कूटरों को अपनाए जाने की शुरुआत हो रही है। एथर में हम इस सफर में तेजी लाना चाहते हैं। इसलिए हम इस बाजार में अपने वितरण को मजबूत करके ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने पोर्टफोलियो के दो बेहतरीन इलेक्ट्रिक स्कूटर, एथर 450 और रिज़्टा पेश कर रहे हैं। हम रेंज की चिंता को दूर करने के लिए अपने फास्ट-चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार भी कर रहे हैं, जिसके बाद उत्तर पूर्व में 60 एथर ग्रिड हो जाएंगी। साथ ही, हमारा एट70 वॉरंटी और आकर्षक फाईनेंसिंग विकल्प पहली बार इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने वालों की हर समस्या का समाधान प्रदान करेंगे। पूरे उत्तर पूर्व के क्षेत्र में

इलेक्ट्रिक स्कूटर्स में अपग्रेड करने की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। हम आने वाले महीनों में उत्तर पूर्व में अपने स्टोर्स की संख्या दोगुनी करके इस सेगमेंट का विस्तार करना चाहते हैं। उत्तर पूर्व का क्षेत्र प्रीमियम और परफॉर्मेंस पर केंद्रित स्कूटर्स के लिए एक मजबूत बाजार के रूप में उभर रहा है। एसआईएएम के डेटा के मुताबिक यहां स्कूटरों का पेनेट्रेशन 60 प्रतिशत से अधिक है। खासकर गुवाहाटी एवं शेष असम में पेट्रोल के सेगमेंट में प्रीमियम स्कूटर्स खरीदने वाले युवा प्रोफेशनल्स और दैनिक आवागमन करने वाले ग्राहकों की संख्या बढ़ रही है। इसलिए इलेक्ट्रिक स्कूटर में अपग्रेड करने वाले ग्राहकों के लिए अपार संभावनाएं हैं, क्योंकि ये स्कूटर आधुनिक फीचर्स, सुविधा तथा कम खर्च के लाभ प्रदान करते हैं।

आईएएसएसटी और असम विज्ञान प्रौद्योगिकी और एसएसटीईसी ने संयुक्त रूप से मनाया पर्यावरण दिवस 2025

गुवाहाटी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उच्च अध्ययन संस्थान (आईएएसएसटी) तथा असम विज्ञान प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद (एएसटीईसी) के संयुक्त प्रावधान में दिनांक 5 जून, 2025 को आईएएसएसटी, पश्चिम बड़ागांव, गुवाहाटी के प्रांगण में राज्य स्तरीय विश्व पर्यावरण दिवस 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ प्रोफेसर आशीष कुमार मुखर्जी, निदेशक, आईएएसएसटी के स्वागत संभाषण से हुआ। प्रो मुखर्जी ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए अपने संबोधन में लगातार इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके युवा छात्रों और शोधकर्ताओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति उन्हें प्रेरित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने नए बायोडिग्रेडेबल समाधानों के अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण को दूर करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। वृक्षारोपण कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में श्री केशव महंत जी, माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, असम सरकार द्वारा किया गया, जिसमें आमंत्रित अतिथिगण, आईएएसएसटी और एएसटीईसी के संकाय सदस्य, अधिकारी, शोधकर्ता और कर्मचारी भी शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए माननीय मंत्री महोदय ने कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस आयोजन का स्लोगन प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना है जिसके लिए युवाओं को इसमें शामिल करने की परिकल्पना की गई है, साथ ही स्कूल जाने वाले बच्चों और सामान्य जन साधारण को इस बारे में जागरूक करने का भी प्रयास किया जा रहा है।

निर्जला एकादशी पर जेसीआई बरपेटारोड ने किया *दान प्रोजेक्ट* कार्यक्रम का आयोजन

बरपेटारोड। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर आज जेसीआई बरपेटारोड द्वारा एक खास *दान प्रोजेक्ट* का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्था द्वारा गोद लिए गए मधुलीझर दक्षिण मछुआगांव एलपी स्कूल (होटापारा गांव) में आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के लगभग 100 बच्चों, शिक्षकों और स्टाफ को पानी की बोतलें, फलों का जूस, बिस्किट और केक वितरित किए गए। गर्मी के इस मौसम में यह छोटा सा प्रयास बच्चों के लिए राहत और खुशी लेकर आया। बच्चों के चेहरे पर आई मुस्कान ने इस सेवा को और भी अर्थपूर्ण बना दिया। इस आयोजन का नेतृत्व अध्यक्ष जेसी राधिका मोर ने किया। उनके साथ सचिव जेसी आयुषी के डिया, कोषाध्यक्ष जेसी आशा साराफ, निर्वतमान अध्यक्ष जेसी स्नेहा खेमका,

सदस्य जेसी मुस्कान जैन, जेसी अतुल तुलस्यान और जेसी अंजनी कुमार जाजोदिया की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल और यादगार बनाया। कार्यक्रम के दौरान सदस्य जेसी अतुल तुलस्यान ने विद्यालय में आवश्यकता अनुसार सीलिंग फैन दान करने की सहमति दी, जो बच्चों के लिए आगे चलकर बहुत उपयोगी सिद्ध होगी। यह एक और उदाहरण है कि कैसे जेसीआई बरपेटारोड समाज की छोटी-छोटी जरूरतों को भी संवेदनशीलता के साथ पूरा करने के लिए सदैव तत्पर रहता है। जेसीआई बरपेटारोड समय-समय पर अपने गोद लिए स्कूल में इस प्रकार के सेवाभाव से भरे प्रोजेक्ट्स करता रहता है, जिससे समाज में सहयोग, संवेदना और सकारात्मकता का संदेश जाता है। एक छोटी सी पहल-पानी से राहत, जूस से ऊर्जा और मिठास से खुशियां-यही इस प्रोजेक्ट का असली मकसद था।

संपादकीय

न्याय की साख

बढ़ते तापमान, बदलते जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेज़बानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है। 1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल वैश्विक दर्शकों को शामिल करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब ने भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए अधिक समर्थन और वित्त पोषण की घोषणा की। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इन वर्षों में बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। पूरी दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है, संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र को मृत क्षेत्रों में बदल रहा है और मानव जीवन पर तरह-तरह के खतरे पैदा कर रहा है। प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, प्रकृति, पर्यावरण, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेज़बानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है।

आप का नजरीया

पर्ची फीस की गारंटी

हिमकेयर से गुजरते हिमाचल ने जो साधुवाद दिया है, उसकी उम्र बढ़ाने के लिए सरकार की बजटीय कोशिकाओं में नई ऊर्जा चाहिए। बहरहाल तीन बड़े अस्पतालों के लंबित हिम केयर भुगतान की राशि से 43.19 करोड़ जारी हो गए। यानी जिन पर्चियों पर हिमकेयर का मजमून लिखा था, उन्हें इस भुगतान से कुछ आराम मिलेगा। हिमकेयर एक अच्छी योजना की अच्छी कहानी बन सकती थी, बशर्ते कार्यान्वयन की पद्धति में ईमानदार निगाह होती। किसी भी सरकारी धन का व्यय बजट की इज्जत के दायरे में होना चाहिए, लेकिन 'हिमकेयर' के इस्तेमाल में न परिभाषा और न ही इसकी उपयोगिता का उचित प्रबंधन रहा, नतीजतन एक पहाड़ सा भुगतान चिकित्सा के बाजुओं को उठाना पड़ रहा है। बहरहाल, हिमकेयर के भुगतान का छोटा सा उपहार भी टीएमसी और आईजीएमसी के वित्तीय दस्तावेजों को सहारा देगा, लेकिन अब चुनौती पूरे चिकित्सा तंत्र को आत्मनिर्भर बनाने तथा इसकी योग्यता को चमकाने की सामने आ रही है। ऐसे में सरकारी अस्पताल की पर्ची बनाने का शुल्क अगर दस रुपए निर्धारित हो रहा है, तो यह एक सही कदम है। अब इसके ऊपर बहस हो सकती है कि पर्ची फीस दस हो या बीस से पचास रुपए करनी चाहिए। लोग इलाज को अब गुणवत्ता के लिहाज से देख रहे हैं। अगर दस रुपए की पर्ची पर भी मरीज अगले अस्पताल ही रैफर होने हैं, तो क्या चूं चूं और क्या चूं चूं का मरब्बा। आश्चर्य होता है जब क्षेत्रीय या जोनल अस्पताल अपने मरीजों का मामूली इलाज करने के बजाय इन्हें आसपास के मेडिकल कालेजों की ओर रवाना कर देते हैं। ऐसे में अस्पतालों की रैंकिंग के मुताबिक चिकित्सा सेवाओं का गारंटी पत्र टंगा होना चाहिए। एक डिस्पेंसरी की पर्ची दस रुपए हो, सिविल अस्पताल की बीस, क्षेत्रीय की तीस रुपए, जोनल की पचास, तो मेडिकल कालेज की सौ रुपए कर दी जाए, लेकिन पर्ची फीस की गारंटी भी हो। बीमारी की पहचान व उसके निदान के लिए हर स्तर के अस्पताल के मानदंड सुनिश्चित होने चाहिएं। अगर प्रसव पीड़ा के समय जोनल अस्पताल धर्मशाला के बेड खाली रहते हुए, मरीज को टांडा भिजवा दें, तो यह पर्ची नहीं, एक धोखा होगी। अगर जिला स्तरीय अस्पतालों में मरीजों को पूर्ण चिकित्सा के प्रमाण पत्र के रूप में पर्ची के लिए दस से पचास रुपए भी अदा करने पड़ते हैं, तो हिमाचल की जनता सरकारी संस्थानों पर अपना विश्वास पेश करेगी, वरना मेडिकल कालेज भी किस काम के। हर दिन हिमाचल मेडिकल कालेजों की पर्ची पर अगर रैफरल टिप्पणियां ही जान बचाएंगी, तो क्या फर्क पड़ता है। लोग सरकार के समर्थन में पर्ची फीस, टेस्टों के बढ़े हुए दाम तथा अन्य सुविधाओं के लिए शुल्क अदा करने के लिए तैयार हैं, बशर्ते चिकित्सा सुविधाएं जीवन सुरक्षा की गारंटी बनें। आज हिमाचल के निजी क्षेत्र के तहत दर्जनों ऐसे अस्पताल कार्यरत हैं, जहां अधिक खर्च करके भी जनता सिर्फ इस विश्वास के साथ आ रही है कि कम से कम वहां जीवन बचाने का हर संभव प्रयास होगा। दूसरी ओर जीवन बचाने के लिए जब सरकारी संस्थानों में हाथ जोड़े जाते हैं, तो सलाह मिलती है किसी बाहरी अस्पताल में बेहतर इलाज के लिए जाने की। ऐसे में हिमाचल को अपने अस्पतालों को अलग-अलग कैटेगरी में डाल कर पर्ची फीस व अन्य शुल्क निर्धारित करने होंगे। प्रयोग के तौर पर किसी बड़ी चिकित्सकीय श्रृंखला के साथ अनुबंध करके अपने कुछ प्रमुख अस्पतालों में अलग से सुपरस्पैशियलिटी विंग खोल देने चाहिएं।

पाक ने दी नई धमकी चीन भारत का पानी रोक दे तो क्या होगा

भारत के लिए संकट नहीं बनेगा ब्रह्मपुत्र का पानी

प्रमोद भार्गव

ऑपरेशन सिंदूर और सिंधु जल संधि के निलंबन से आहत पाकिस्तान भारत को सबक सिखाने के दिन में स्वप्न देख रहा है। चीन के पिट्ठू पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के सलाहकार राणा अहसान अफजल ने एक नई धमकी देते हुए कहा है कि यदि चीन ब्रह्मपुत्र का पानी रोक दे तो भारत का क्या हाल होगा ? चूंकि पाकिस्तान न तो ब्रह्मपुत्र के भूगोल से पराजित है और न ही पानी के प्रवाह के तकनीकी के ज्ञान से ? इसलिए इस भूगोल और तकनीक का ज्ञान असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कराकर पाक के नैरेटिव की हवा निकाल दी। बिस्वा ने अपनी एक्स पोस्ट पर ठोस तथ्यों के साथ लिखा कि ब्रह्मपुत्र एक ऐसी नदी है, जिसका प्रवाह भारत में घटता-बढ़ता नहीं है। अतएव नदी को अपना प्रवाह बनाए रखने के लिए चीन के पानी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। ब्रह्मपुत्र के कुल जल प्रवाह में चीन केवल 30 से 35 प्रतिशत तक का योगदान देता है। यह भी ज्यादातर हिमनदों के पिघलने और बारिश से मिलता है। शेष 65 से 70 प्रतिशत जल भारत में बहने वाली ब्रह्मपुत्र की सहायक नदियों से मिलता है। इसलिए यह नदी भारत में प्रवेश के बाद सशक्त हो जाती है। अतएव यह वर्षा जल से पोषित भारतीय नदी प्रणाली का हिस्सा है न कि किसी एक जल स्रोत पर निर्भर है। पाकिस्तान को यह सच्चाई जाननी चाहिए। फिर भी चीन ब्रह्मपुत्र के जल को कम करता भी है तो वह भारत के लिए मददगार ही साबित होगा। क्योंकि इस नदी की बाढ़ से प्रतिवर्श लाखों लोगों को विस्थापन का दंष झेलना पड़ता है। ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को लेकर चीन का भारत से ही नहीं बांग्लादेश से भी विवाद है। इस नदी पर कई बांध बनाकर चीन ने ऐसे जल प्रबन्ध कर लिये हैं कि वह जब चाहे तब भारत और बांग्लादेश में पानी के प्रवाह को रोक दे और जब चाहे तब ज्यादा पानी छोड़कर ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे बसे इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न कर दे। चीन ने ऐसी हरकत करते हुए साल 2016 में भारत में जलापूर्ति करने वाली ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी जियाबुकू का पानी रोक भी दिया था। लेकिन इसका असर पूर्वोत्तर की कृशि पर देखने में नहीं आया था। ब्रह्मपुत्र एशिया की सबसे लम्बी नदी है। इस नदी की लम्बाई 3000 किमी है। इसी की सहायक नदी जियाबुकू है। जिस पर चीन हाइड्रो प्रोजेक्ट बना रहा है। दुनिया की सबसे लम्बी नदियों में 29वाँ स्थान रखने वाली ब्रह्मपुत्र 1625 किमी तिब्बत क्षेत्र में बहती है। इसके बाद 918 किमी भारत और 363 किमी की लम्बाई में बांग्लादेश में बहती है। समुद्री तट से 3300 मीटर की ऊँचाई पर तिब्बती क्षेत्र में बहने वाली इस नदी पर चीन ने 12वीं पंचवर्षीय योजना के तहत तीन पनबिजली परियोजनाएं निर्माण के प्रस्ताव पहले ही मंजूर कर चुका है और अब नए बांध निर्माण को मंजूरी दे दी है। चीन इन बांधों का निर्माण अपनी आबादी के लिये व्यापार, सिंचाई, बिजली और पेयजल समस्याओं के निदान

चीन के पिट्ठू पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के सलाहकार राणा अहसान अफजल ने एक नई धमकी देते हुए कहा है कि यदि चीन ब्रह्मपुत्र का पानी रोक दे तो भारत का क्या हाल होगा ? चूंकि पाकिस्तान न तो ब्रह्मपुत्र के भूगोल से पराजित है और न ही पानी के प्रवाह के तकनीकी के ज्ञान से ? इसलिए इस भूगोल और तकनीक का ज्ञान असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कराकर पाक के नैरेटिव की हवा निकाल दी। बिस्वा ने अपनी एक्स पोस्ट पर ठोस तथ्यों के साथ लिखा कि ब्रह्मपुत्र एक ऐसी नदी है, जिसका प्रवाह भारत में घटता-बढ़ता नहीं है। अतएव नदी को अपना प्रवाह बनाए रखने के लिए चीन के पानी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। ब्रह्मपुत्र के कुल जल प्रवाह में चीन केवल 30 से 35 प्रतिशत तक का योगदान देता है। यह भी ज्यादातर हिमनदों के पिघलने और बारिश से मिलता है। शेष 65 से 70 प्रतिशत जल भारत में बहने वाली ब्रह्मपुत्र की सहायक नदियों से मिलता है। इसलिए यह नदी भारत में प्रवेश के बाद सशक्त हो जाती है।

के उद्देश्य से कर रहा है, लेकिन उसका इन बांधों और जल सुरंगों के निर्माण की पृष्ठभूमि में छिपा एजेंडा, खासतौर से भारत के खिलाफ जल हथियार के रूप में रणनीतिक इस्तेमाल के रूप में भी देखी जाती हैं। लेकिन यदि चीन ब्रह्मपुत्र के पानी को औजार बनाता है तो भारत से कहीं ज्यादा चीन की ही बिजली, सिंचाई और पेयजल योजनाएं प्रभावित होंगी। दरअसल चीन में बढ़ती आबादी के चलते इस समय 886 नगर और 110 बड़े नगर पानी के गंभीर संकट से जूझ रहे हैं। उद्योगों और कृषि सम्बन्धी जरूरतों के लिये भी चीन को बड़ी मात्रा में पानी की जरूरत है। चीन ब्रह्मपुत्र के पानी का अनूठा इस्तेमाल करते हुए अपने शिनजियांग, जांझु और मंगोलिया इलाकों में फैले व विस्तृत हो रहे रेगिस्तान को भी नियंत्रित करना चाहता है। चीन की यह नियति रही है कि वह अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिये पड़ोसी देशों की कभी परवाह नहीं करता। चीन ब्रह्मपुत्र के पानी का मनचाहे उद्देश्यों के लिये उपयोग करता है तो तय है, अरुणाचल में जो 17 पनबिजली परियोजनाएं प्रस्तावित व निर्माणाधीन हैं, इनके अटकने के अनुमान लगा लिए जाते हैं। ये परियोजनाएँ पूरी हो जाती हैं और ब्रह्मपुत्र से इन्हें पानी मिलता रहता है तो इनसे 37827 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। इस बिजली से पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में बिजली की आपूर्ति तो होगी ही, पश्चिम बंगाल और ओड़ीसा को भी अरुणाचल बिजली बेचने लग जाएगा ।चीन अरुणाचल पर जो टेढ़ी निगाह बनाए रखता है, उसका एक बड़ा कारण अरुणाचल में ब्रह्मपुत्र की जलधारा ऐसे पहाड़ व पठारों से गुजरती है, जहां भारत को मध्यम व लघु बांध बनाना आसान है। ये सभी बांध भविष्य में अस्तित्व में आ जाते हैं और पानी का प्रवाह बना रहता है तो पूर्वोत्तर के सातों राज्यों की बिजली, सिंचाई और पेयजल जैसे बुनियादी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। पिछले 11 साल में इन बांधों के निर्माण में तेजी आई है। चीन के साथ सुविधा यह है कि वह अपनी नदियों के जल को अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानकर चलता है। पानी को एक उपभोक्ता वस्तु मानकर वह उसका अपने हितों के लिये अधिकतम दोहन में लगा है। बौद्ध धर्मावलम्बी चीन परम्परा और आधुनिकता के बीच मध्यमार्गी सामंजस्य बनाकर चल रहा है। जो नीतियां एक बार मंजूर हो जाती हैं, उनके अमल में चीन कड़ा रुख और भौतिकवादी दृष्टिकोण अपनाता है। इसलिये वहां परियोजना के निर्माण में धर्म और पर्यावरण सम्बन्धी समस्याएं रोड़ा नहीं बनती ।नतीजतन एक बार कोई परियोजना कागज पर आकार ले लेती है तो वह आरंभ होने के बाद निर्धारित समयावधि में लगभग पूरी हो जाती है। चीन और भारत के बीच ब्रह्मपुत्र के जल-बंटवारे को लेकर विवाद और टकराव बढ़ रहा है। अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर पानी के उपयोग को लेकर कई संधियां हुई हैं। इनमें संयुक्त राष्ट्र की पानी के उपभोग को लेकर 1997 में हुई संधि के प्रस्ताव पर अमल किया जाता है। इस संधि के प्रारूप में प्रावधान है कि जब कोई नदी दो या इससे ज्यादा देशों में बहती है तो जिन देशों में इसका प्रवाह है, वहां उसके पानी पर उस देश का समान अधिकार होगा। इस लिहाज से चीन को सोची-समझी रणनीति के तहत पानी रोकने या उसकी धारा बदलने का अधिकार है ही नहीं। इस संधि में जल प्रवाह के आंकड़े साझा करने की शर्त भी शामिल है। लेकिन चीन संयुक्त राष्ट्र की इस संधि की शर्तों को मानने के लिये इसलिये बाध्यकारी नहीं है, क्योंकि इस संधि पर अब तक चीन और भारत ने हस्ताक्षर ही नहीं किए हैं। दरअसल ब्रह्मपुत्र का पानी अधिक मात्रा में छोड़ने या रोकने से भारत पर बहुत बड़ा असर पड़ने वाला नहीं है, क्योंकि नदी का जलभराव क्षेत्र का 22 से 30 फीसदी हिस्सा चीन में है, वहीं 21 फीसदी जल चीन से आता है। तिब्बती जल स्रोतों, बारिष और हिमनदों के पिघलने से यह पानी नदी में आता है। भूटान एक छोटा देष जरूर है, लेकिन ब्रह्मपुत्र नदी में उसका भी योगदान चीन के बराबर करीब 21 फीसदी है। जबकि भूटान में नदी का बहाव क्षेत्र केवल 7 फीसदी हिस्से में है। वहीं भारत में यह 34 फीसदी के करीब है। परिणामतः ब्रह्मपुत्र में सबसे ज्यादा पानी भारत से ही जाता है। यह करीब 39 प्रतिशत है। भारत में प्रवेष करने से पहले ब्रह्मपुत्र में केवल 14 फीसदी पानी ही शेष बचता है। बाकी जो पानी बढ़ता है, वह भारतीय जल स्रोतों से ही बढ़ता है। चूंकि चीन का पानी पहले से ही बहुत कम है, इसलिए चीन जल प्रवाह रोकता भी है तो उसका भारत पर ज्यादा असर पड़ने वाला नहीं है। मानसून के समय चीन सीमा पर पानी भारत की तुलना में सात गुना तक कम रहता है। अतएव हिमंत बिस्वा ने कड़ा जबाव देकर पाकिस्तान की बोलती बंद कर दी है। चीन ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध को बनाने की कर ली है। इस बांध परियोजना को दुनिया की सबसे बड़ी बांध संरचना परियोजना बताया जा रहा है। इसकी लागत का अनुमान 137 अरब अमेरिकी डॉलर है। यह जानकारी चीन की सरकारी समाचार एजेंसी चिन्हुआ ने देते हुए कहा था कि 'चीन सरकार ने यारलुंग जांग्बो नदी (ब्रह्मपुत्र नदी का तिब्बती नाम) के निचले क्षेत्रों में एक जल विद्युत परियोजना के निर्माण को मंजूरी दी है।

देश दुनीया से

कैंसर पर जीत के बाद विश्व सुंदरी का खिताब

पिछले दिनों भारत में आयोजित मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भारतीय प्रतिनिधि नंदिनी गुप्ता की दावेदारी भले ही शीर्ष बीस तक सिमट कर रह गई हो, लेकिन थाईलैंड की सुंदरी ओपल सुचाता ने विश्व सुंदरी का खिताब जीतकर खूब सुर्खियां बटोरीं। उल्लेखनीय है कि थाईलैंड में भारतीय संस्कृति का व्यापक प्रभाव रहा है, उनके नाम का उच्चारण भी कुछ-कुछ भारतीय-सा लगता, फलतः उनके नाम ने भी भारतीयों का ध्यान खींचा। जिसे भारतीय फिल्मों के प्रति उनकी दीवानगी ने और पुख्ता भी किया। मई महीने में भारतीय दुनियाभर से आई सुंदरियों की चहल-पहल लगातार सौंदर्य प्रतियोगिता से जुड़े विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रमों के जरिये महसूस करते रहे थे। तेलंगाना के हैदराबाद स्थित हाईटेक्स में संपन्न ग्रैंड फिनाले में आखिरकार ओपल सुचाता के सिर विश्व सुंदरी का ताज सजा। दरअसल, इस खिताब को जीतकर ओपल सुचाता ने थाईलैंड के 72 साल से मिस वर्ल्ड के ताज के इंतजार को खत्म किया। सुचाता एक साधारण पृष्ठभूमि से आती हैं और विश्व स्तरीय सौंदर्य स्पर्धा के शिखर तक पहुंचती हैं। हालांकि, यह हकीकत है कि सौंदर्य प्रतियोगिता के मानक व उद्देश्य सौंदर्य प्रसाधन बाजार को विस्तार देने का ही एक उपक्रम है। बहुत संभव है हमारे आसपास व दूरदराज के इलाकों में जो वास्तविक विश्व स्तरीय सौंदर्य हो, वो इस प्रतियोगिता के कायदे-कानूनों द्वारा नकार दिया जाएगा। बहरहाल, बहते वक्त की धारा में आज ओपल सुचाता विश्व सुंदरी हैं। उनकी कामयाबी इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि वे एक कैंसर सर्वाइवर हैं। साथ ही लगातार महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूक कर रही हैं। मिस वर्ल्ड के 72वें संस्करण में मिस वर्ल्ड चुनी गई ओपल सुचाता चुआंगश्री ने खिताब हासिल करने के बाद कहा कि उनका ताज सिर्फ थाईलैंड का ही प्रतिनिधित्व नहीं करता बल्कि वह उन करोड़ों महिलाओं की आवाज भी है, जिन्हें अनसुना किया गया। वे उनके हक के लिये खड़ी होंगी। दरअसल, ओपल ने अट्ठारह वर्ष की उम्र से सौंदर्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना शुरू किया। उनका मानना था कि उनका सौंदर्य स्पर्धाओं में भाग लेना नेम-फेम कमाना ही नहीं था, बल्कि इस उपलब्धि को उद्देश्यपूर्ण बनाना ही मुख्य लक्ष्य था। अंतर्राष्ट्रीय मंच पर थाईलैंड की संस्कृति को भी सम्मान दिलाना एक मकसद था। उल्लेखनीय है कि ओपल वर्ष 2024 में मिस यूनिवर्स स्पर्धा में थाईलैंड का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। तब वह तीसरे स्थान पर आई थीं। मिस वर्ल्ड स्पर्धा के लिये उन्होंने वह खिताब छोड़ दिया। उनका मानना है कि इस खिताब को हासिल करने का उनका मुख्य मकसद यह है कि वे सामाजिक बदलाव की वाहक बन सकें। ओपल का मानना है कि यह खिताब सिर्फ सौंदर्य मानकों पर खरा उतरना मात्र नहीं है। ओपल मानती हैं कि यह लोगों के लिये सुंदर काम करने के लिये दिया गया खिताब है। वे उस भारतीय दर्शन की हामी हैं कि दैहिक सौंदर्य अल्पकालिक होता है, लेकिन सुंदर उद्देश्य सार्वकालिक होता है। उनका एक सपना यह भी है कि वे एक दिन राजदूत बनें। दरअसल, 21 वर्षीय ओपल वर्षों से ब्रेस्ट कैंसर से जुड़ी महिलाओं के लिये काम कर रही हैं। वैसे तो हर विश्व सुंदरी अपनी जीत के बाद समाज सेवा और करुणा के प्रति प्रतिबद्धता जताने में पीछे नहीं रहती, लेकिन कैंसर ओपल का भोगा यथार्थ है। वे उस त्रासदी से गुजरी हैं और कैंसर पीड़ितों के दर्द को करीब से महसूस करती हैं। यही वजह है कि उन्होंने ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता का प्रसार करने वाले कई सामाजिक संगठनों के साथ सक्रिय भागेदारी की है। उनका मानना है कि वे नई जिम्मेदारियों के बावजूद ब्रेस्ट कैंसर पीड़ितों के लिए काम करती रहेंगी। उनका कहना है कि महिलाओं को रूटीन चेकअप करते रहना चाहिए। उन्हें डॉक्टर के पास जाने में संकोच नहीं करना चाहिए। यदि इस महामारी का समय रहते पता चल जाए तो इससे बचाव संभव हो सकता है। उनका कहना है कि मैं इस मुद्दे पर लगातार महिलाओं से बात करती रहना चाहूंगी। ओपल बौद्धिक रूप से समृद्ध हैं और अंतर्राष्ट्रीय संबंध, मनोविज्ञान व मानव से जुड़े विज्ञान में उनकी गहरी रुचि भी है। इतना ही नहीं वे जीव-जंतुओं के प्रति गहरी संवेदना रखती हैं। उनका पशु प्रेम इस बात से झलकता है कि उनके घर में दर्जन से अधिक बिल्लियां व करीब आधा दर्जन कुत्ते पलते हैं। बहरहाल, विश्व सुंदरी के खिताब से मिली प्रतिष्ठा के साथ ओपल आर्थिक रूप से भी आत्मनिर्भर व समृद्ध हुई हैं। उनकी तमाम योजनाएं अब सिरे चढ़ने वाली हैं क्योकि इस खिताब के साथ-साथ उनके खाते में एक मिलियन डॉलर भी आए हैं। वहीं दूसरी ओर ओपल भारतीय संस्कृति व फिल्मों के प्रति भी खासा लगाव रखती हैं। पिछले दिनों खिताब जीतने के बाद एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि बॉलीवुड की फिल्में उन्हें आकर्षित करती हैं।

कुछ अलग

नहीं जाने की टीस...

प्रदेश साहित्य अकादमी कोई व्यंग्य विधा का आयोजन करवा रही थी। मुझे भी बुलाया था, मैंने अतुल जी से कह दिया-'यह गंभीर विषय है। किसी स्कॉलर को बुलाओ, वही रंग जमा सकता है। मैं व्यंग्य के गंभीर आलोचना पक्ष से अनभिज्ञ हूं।' अतुल जी को बात लग गई। बोले तो कुछ नहीं, लेकिन उनको मेरा असहयोग अच्छा नहीं लगा। आयोजन अखिल भारतीय स्तर का था, अतः अतुल जी उन लागों को बुलाना नहीं भूले थे, जो उनके व्यंग्य कर्म को पहचान दे सकें। उनमें दो-तीन समाचार-पत्रों के संपादक भी थे, वे भी अतुल जी को अपने पत्रों में स्थान दे रहे थे। मुझे इसकी आवश्यकता थी भी नहीं, मैंने अपनी व्यंग्य यात्रा बिना बैसाखियों के ही प्रारंभ की थी और वह अभी तक जारी है। चूंकि अतुल जी आयोजन सचिव थे, उन्हें अकादमी से अपनी पुस्तक को भी पुरस्कृत करवा कर प्रकाश में लाना था, अतः वे पूरे मनोयोग से लगे हुए थे। मेरा व्यंग्य मार्केट पहले ही अखिल भारतीय पहचान ले चुका था और यही बात मेरी मनाही से आयोजकों को खटक रही थी। पत्रवाचन में बराबर खतरा यह बना हुआ था कि कहीं मेरे नाम का आयोजन सभा में नामोल्लेख न हो जाए। अतुल जी ने एक दिन पूर्व ही स्थानीय संभागियों से इस विषय पर चर्चा की तो सभी ने यही आशंका जताई कि मैं इतना लिख-पढ़ रहा हूं कि पत्रवाचक मेरा नामोल्लेख करना भूलेंगे नहीं। एक संभागी ने सुझाव दिया कि हमें पत्रवाचकों को पहले ही ताकीद देनी होगी कि वे शर्मा का नामोल्लेख करने से जितना संभव हो उतना तो बचें ही बचें। दूसरे संभागी ने कहा कि जब हम पत्रवाचकों को पेमेंट कर रहे हैं तो ताकीद क्या करना, एकदम स्पष्ट रूप से कहेंगे कि वे शर्मा का व्यंग्य योगदान नकार दें। तीसरा बोला- यारो यह शर्मा न सभा-संगोष्ठियों में जाता है न हमारे साथ उठता-बैठता है, फिर क्यों कर इसका मूल्यांकन हो। समझ में नहीं आता कि इसे व्यंग्य से आउट कैसे किया जाए? राय तो मेरी भी यही है कि बिना इसे सबक सिखाए, यह पकड़ में आएगा नहीं। अतुल जी ने उन्हें समझाया भी कि वह पैसे के प्रलोभन में भी नहीं आता। एक सत्र की अध्यक्षता उसे ऑफर की थी, लेकिन साफ मना कर दिया, अंत में यह अध्यक्षता हमें अनुराग जी को देनी पड़ी। चौथा संभागी कुछ समझदार किस्म का था, वह बोला-'यार हमें क्या, नहीं आता है तो नहीं आए। हमारे क्या फर्क पड़ेगा। भाड़ में जाए।' पहले वाले की शंका बरकरार थी, उसने कहा-'और उसकी चर्चा मुफ्त में ही हो गई तो हम क्या करेंगे?' दूसरे ने कहा-'यह हमारे लिए डूब मरने वाली बात होगी। मेरा कहा मानो और पत्रवाचकों को पहले ही समझाओ ताकि हमारे आयोजन का लाभ उसके पक्ष में न जाए।'

दृष्टि कोण

आधुनिकता की दौड़ में पर्यावरण के उभरते खतरे

सुरक्षित पर्यावरण ही सुरक्षित मनुष्य जीवन का आधार है। हमारी धरती, जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण का सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है। विश्व के देश आधुनिकता की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन इस राह में दिनोंदिन दुनियाभर में ऐसी चीजों का इस्तेमाल बढ़ गया है और इस तरह से लोग जीवन जी रहे हैं, जिससे पर्यावरण खतरे में है। इनसान और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं। ऐसे में प्रकृति के साथ इनसानों को तालमेल बिठाना होता है। लेकिन लगातार वातावरण दूषित हो रहा है जिससे कई तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं, जो हमारे जनजीवन को तो प्रभावित कर ही रही हैं, साथ ही कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं की भी वजह बन रही हैं। पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक की बात करें तो भारत को वैश्विक प्रकृति संरक्षण सूचकांक 2024 में 176वां स्थान प्राप्त हुआ है, यह भारत को 180 देशों में से सबसे कम रैंक वाले पांच देशों में से एक बनाता है, जोकि चिंताजनक है। वायु और जल प्रदूषण की दृष्टि से भारत के कई शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं, इस बात से कोई अनजान नहीं है। भारत कार्बन डाइऑक्साइड का एक बड़ा उत्सर्जक है, हालांकि प्रति व्यक्ति उत्सर्जन विकसित देशों की तुलना में कम है। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से अधिनियम द्वारा इस कार्य को सांकेतिक किया गया है। भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 लागू है जो पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को कानून के रूप में लागू करता है। भारत में पर्यावरण संरक्षण एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। एक ओर, पर्यावरण संरक्षण के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर पर्यावरण पर दबाव भी बढ़ रहा है। भारत को पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने प्रयासों को मजबूत करने और प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और अन्य पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के लिए प्रभावी उपाय करने की आवश्यकता है क्योंकि सुखी स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से हर साल विश्व पर्यावरण दिवस भी मनाया जाता है। इस दिन लोगों को पर्यावरण के प्रति सचेत किया जाता है और पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस हर साल जून महीने में मनाया जाता है। दुनियाभर के तमाम देश 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाते हैं। इस साल भी पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए भारत समेत कई देशों में 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। पहली बार पर्यावरण दिवस की शुरुआत 1972 में हुई थी। इस दिन की नींव संयुक्त राष्ट्र संघ ने 5 जून 1972 को रखी थी। इसी के बाद से हर साल लगातार 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाने लगा। भले ही संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का फैसला किया हो, लेकिन पर्यावरण दिवस को सबसे पहले स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में मनाया गया। 1972 में स्टॉकहोम में पहली बार पर्यावरण सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें 119 देशों ने हिस्सा लिया था। हम सब देशवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक होना चाहिए और इस दिन प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा अपने नाम अवश्य लगाए ताकि पर्यावरण को बचाया जा सके। आज देश भर में युवा पीढ़ी अपना जन्मदिन और मैरिज एनिवर्सरी होटल और रेस्टोरेंट में मानते हैं। इस इस दिन सभी नागरिकों का दायित्व बनता है कि इस आधुनिकता की दौड़ को छोडक़र अपने गांव में शिक्षा संस्थानों में या कार्यालयों में पौधा अवश्य लगाएं ताकि वह पर्यावरण को स्वच्छ और साफ-सुथरा रखने के लिए अनिवार्य हो और आपकी यादगार भी बनी रहे। दुनिया में लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है। इसी बढ़ते प्रदूषण के कारण प्रकृति पर खतरा बढ़ रहा है जिसे रोकने के उद्देश्य से पर्यावरण दिवस मनाने की शुरुआत हुई, ताकि लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाए और प्रकृति को प्रदूषित होने से बचाने के लिए प्रेरित किया जा सके। भारत भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीर है। इसी कारण पर्यावरण संरक्षण के लिए भारत ने कानून बनाया है। 19 नवंबर 1986 में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। जब पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा था तो भारत में भी पर्यावरण दिवस मनाया गया। उस समय देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित कार्यक्रम में प्रकृति के प्रति अपनी चिंताओं को जाहिर किया था। पर्यावरण समाज का एक हिस्सा है।

राहुल गांधी व कांग्रेस पार्टी को देश से मांगनी चाहिए माफी : नायब सैनी

पलवल (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पलवल की अनाज मंडी में आयोजित धन्यवाद रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। राहुल के *लंगड़ा घोड़ा* बयान पर पलटवार करते हुए सीएम ने कहा कि लंगड़ा घोड़ा तो आप थे। हमारे हरियाणा के लोग रेस के घोड़े हैं, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास की दौड़ में आगे बढ़ रहे हैं। सीएम ने राहुल और कांग्रेस से देश की जनता से माफी मांगने की मांग की। सीएम सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने 55 साल तक देश पर शासन किया, लेकिन हरियाणा की जनता से पैसा लूटकर अपनी तिजोरी भरी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब तक लूट का पैसा आता रहा, तब तक आपको हरियाणा के लोग रेस के घोड़े दिखे। लेकिन जब जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया, तो अब आप इन्हें लंगड़ा घोड़ा कह रहे हैं। सैनी ने राहुल के बयान पर हैरानी जताते हुए कहा कि कांग्रेस नेता खुद सदमे में हैं कि राहुल ने ऐसा क्या बोल दिया। राहुल गांधी ने हाल ही में भोपाल में कांग्रेस नेताओं को संबोधित करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को तीन श्रेणियों- रेस का घोड़ा, बारात का घोड़ा और लंगड़ा घोड़ा- में बांटा था। उन्होंने कहा था कि रेस के घोड़ों को दौड़ाया जाएगा, बारात के घोड़ों को बारात में भेजा जाएगा और लंगड़े घोड़ों को रिटायर कर चारा-पानी दिया जाएगा। इस बयान को लेकर अब सियासी बवाल मचा है, जिसे बीजेपी ने भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सीएम सैनी ने कहा कि राहुल के बयान से हरियाणा कांग्रेस के नेता सदमे में हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस को जनता ने नकार दिया है। उनके नेता समझ नहीं पा रहे कि अब क्या करें। सैनी ने बीजेपी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि कांग्रेस के शासन में किसानों को सम्मान निधि नहीं मिलती थी, लेकिन बीजेपी सरकार किसानों के खातों में सीधे पैसा भेज रही है। राहुल गांधी के बयान पर बीजेपी का हमला और सीएम सैनी का यह तीखा जवाब हरियाणा की सियासत में नया रंग ला सकता है। सीएम सैनी ने कहा कि कांग्रेस के 10 वर्ष के कार्यकाल में प्रदेश में फसल खराबे पर किसानों को केवल 1155 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया गया, जबकि हमारी सरकार ने 10 सालों में 15, 145 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया। कांग्रेस के समय में गरीबों को बीमारियों के इलाज के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ता था, जबकि आज आयुष्मान योजना के माध्यम से गरीबों का इलाज हो रहा है। इसके तहत अब तक 20 लाख से अधिक लोगों को 2 हजार 767 करोड़ रुपए का मुफ्त इलाज प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि 10 वर्षों में कांग्रेस ने छ: मेडिकल कॉलेज बनाए, जबकि वर्तमान सरकार ने 9 कॉलेज बनाने का काम किया और 9 अन्य कॉलेज निर्माणाधीन हैं। वहीं, कांग्रेस के समय में एमबीबीएस की मात्र 700 सीटें होती थी, जबकि आज 2185 सीटें हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले सालों में हरियाणा में एमबीबीएस की 3485 सीटें हो जाएंगी।

मोदी सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाएगी भाजपा : शिवराम सिंह

कानपुर (हिंस)। मोदी सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियां गर्व का विषय है। इन्हें मंडल, शक्ति केंद्र और बूथों तक पहुंचाने में कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। विकसित भारत का अमृत काल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्षों पर केंद्रित अभियान 9 से 21 जून तक चलेगा। पार्टी कार्यकर्ता मोदी सरकार की उपलब्धियों वाला पत्रक लेकर घर घर पहुंचेंगे। यह बातें शुक्रवार को भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने केशव नगर स्थित दक्षिण पार्टी कार्यालय में जिला पदाधिकारियों व मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक करते हुए कही। जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने कहा कि 11 जून को केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी व प्रबुद्ध समागम आयोजित किया जाएगा। नौ जून से नौ जुलाई के बीच *बदलता भारत मेरा अनुभव* पर आधारित डिजिटल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। 12 से 14 जून तक विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन प्रत्येक मंडल में होगा। 15 से 17 जून तक दक्षिण जिले सभी 169 शक्तिकेंद्रों पर मोहल्ला चौपाल लगाई जाएगी। इन चौपालों में ही आयुष्मान कार्ड वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 21 जून को विश्व योग दिवस के अवसर पर प्रत्येक मंडल में योग शिविर आयोजित किए जाएंगे। मंडल स्तर पर विधायक, महापौर, जिला एवं मोर्चा पदाधिकारी तथा प्रत्येक शक्तिकेंद्र पर मंडल से ऊपर के पदाधिकारी प्रवास करेंगे। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी मनीष त्रिपाठी ने बताया कि अभियान के लिए दक्षिण जिले में गणेश शुक्ला को संयोजक एवं अर्जुन बेरिया, शिवम मिश्रा व संजीव बेरी को सह संयोजक बना कर जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वर्ष 2047 तक भारत बनेगा विकसित राष्ट्र : मीणा

धौलपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय धौलपुर में शुक्रवार को *संकल्प से सिद्धि तक* कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में मोदी सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में हुए जन कल्याण के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा ने कहा कि बीते 11 सालों में केंद्र की मोदी सरकार ने जनकल्याण के जो भी संकल्प लिए उनकी पूर्णता कर उन्हें सिद्धि तक पहुंचाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में देश अब विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है और आने वाले सालों में भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगा। मीणा ने कहा कि बीते सालों में रक्षा, उडयन, खाद्यान्न तथा कोरोना के दौरान टीकाकरण सहित चिकित्सा के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बना है। केंद्र सरकार की कल्याणकारी नीतियों के बल पर आने वाले समय में भी भारत अन्य क्षेत्रों में सफलता का परचम लहराएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए भाजपा के जिला अध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगवाई में राजस्थान समेत पूरे देश में जनकल्याण के नए आयाम स्थापित हुए हैं। इससे आमजन को राहत मिली है। संकल्प से सिद्धि अभियान के दौरान 9 जून से 21 जून तक प्रदेश के साथ-साथ धौलपुर जिले में अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के दौरान सरकारी योजनाओं के लाभ आम जनता तक पहुंचाया जाएगा। कार्यशाला में संभाग प्रभारी हेमराज मीणा, सह प्रभारी सोमकांत शर्मा, जिला संगठन सह प्रभारी लोकेश चतुर्वेदी, कार्यक्रम संयोजक राजवीर राजावत, करौली-धौलपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रही इंदु देवी जाटव, धौलपुर विधानसभा प्रत्याशी डॉ. शिवचरण कुशवाहा, जिला मंत्री हरेन्द्र राव एवं मीडिया प्रभारी राजू गुर्जर सहित अन्य पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर अमृतसर में दिनभर रहा तनाव का माहौल

चंडीगढ़ (हिंस)। ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर शुक्रवार को अमृतसर में दिनभर तनाव का माहौल रहा। दरबार साहिब में धार्मिक कार्यक्रम तो शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हो गया, लेकिन कार्यक्रम के बाद अकाल तख्त साहिब के बाहर एक युवक ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी टास्क फोर्स पर कृपाण से हमला कर दिया। बाद में पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। इसे लेकर यहां कई घंटे तक विवाद चलता रहा। भीड़ के कारण संगत को श्री अकाल तख्त साहिब में प्रवेश करने से रोका जा रहा था। दरबार साहिब में धार्मिक कार्यक्रम के दौरान युवक कृपाण हाथ में लिए संगत के बीच घूमता नजर आया। टास्क फोर्स ने युवक को घेर लिया। इस हंगामे में युवक की पगड़ी उतर गई। उसे एक कमरे में बंद कर दिया गया। हालात बेकाबू होते देख गोल्डन टेंपल के अंदर सादे कपड़ों में तैनात पुलिस ने युवक को कब्जे में ले लिया। एडीसीपी विशालजीत सिंह ने बताया कि पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी थी, लेकिन जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज की दखलअंदाजी के बाद मामला शांत कर दिया गया। अब हालात पूरी तरह से काबू में है। इससे पहले सुबह अकाल तख्त साहिब पर अरदास हुई। इसके बाद लोगों ने हाथों में जरनैल सिंह भिंडरांवाला के पोस्टर लेकर नारे लगाए। अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार कुलदीप सिंह गडज ने विवाद से बचने के लिए अरदास के बीच ही कौम के नाम संदेश दिया। धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भी गरमपंथियों की खालिस्तान के समर्थन में नारेबाजी लगातार जारी रही। दरबार साहिब में ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी के दौरान दिनभर रहे तनाव के माहौल के चलते आज सामान्य संगत दूर रही। इस बीच अमृतसर में आज बाद दोपहर करीब तीन बजे तक बाजार बंद रहे। अमृतसर में दरबार साहिब की तरफ जाने वाले सभी मार्गों पर पुलिस की नाकाबंदी रही। तीन बजे के बाद पुलिस ने नाके ढीले करने शुरू किए। इसके बाद शाम के समय बाजार तो खुले लेकिन ग्राहकों की संख्या सामान्य दिनों के मुकाबले कम रही।

इनेलो व जेजेपी हैं भाजपा की बी टीम : जयप्रकाश

जींद (हिंस)। हिसार के सांसद जयप्रकाश ने कहा कि हरियाणा में सुशासन के नाम पर भाजपा की सरकार बनी, लेकिन वास्तव में सुशासन कहीं नहीं है। उन्होंने भ्रष्टाचार को लेकर एचपीएससी का उदाहरण दिया और कहा कि पेपर लीक मामले में सरकार ने केवल परीक्षा रद्द की लेकिन अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं की। सांसद जयप्रकाश शुक्रवार को उचाना के पीडब्लूडी रेस्ट हाउस में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने इनेलो और जेजेपी को भाजपा की बी टीम करार दिया। सांसद ने राहुल गांधी के समर्थन में बोलते हुए कहा कि वह सिर्फ एक सांसद नही बल्कि नेता प्रतिपक्ष हैं। उन्होंने जातिगत जनगणना के मुद्दे पर सरकार को झुकने पर मजबूर किया। इनेलो पर तीखा प्रहार करते हुए सांसद ने कहा कि यह पार्टी भाजपा की बैसाखी बन गई है। विधानसभा चुनाव में इनेलो के नेता भाजपा के इशारे पर काम करते रहे हैं। जेजेपी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने पांच साल तक सत्ता का लाभ उठाया।

नीट यूजी परीक्षा में फर्जीवाड़ा मामला डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा पास करने वाले दो डॉक्टर्स सहित मेडिकल छात्र गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। चौमूं थाना पुलिस ने नीट यूजी परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने वाले तीन डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। इनमें डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा पास करने वाले दो डॉक्टर भी शामिल है और अन्य आरोपी मेडिकल छात्र है। जिसने परीक्षा पास करने के लिए साठ लाख रुपए में सौदा किया था। पुलिस फिलहाल पकड़े गए तीनों आरोपी डॉक्टर्स से पूछताछ कर रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि चौमूं थाना पुलिस ने नीट यूजी परीक्षा में फर्जीवाड़ा मामले में कार्रवाई करते हुए डॉक्टर सुभाष सैनी (33) निवासी जैतपुरा चोमू, सचिन गोरा (22) और अजीत गोरा (30) निवासी लक्ष्मी विहार, कचौलिया चौमूं को गिरफ्तार किया है। आरोपी सचिन गोरा वर्तमान में एमबीबीएस फाइनल ईयर एम्स जोधपुर मेडिकल कॉलेज का छात्र है। जांच में सामने आया कि नीट परीक्षा में सचिन गोरा के जगह अजीत गोरा की फोटो लगाकर आवेदन किया गया था। सचिन गोरा के स्थान पर डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा में 667 अंक हासिल किए थे। इसके आधार पर सचिन गोरा का एमबीबीएस के लिए जोधपुर एम्स में दाखिला हो गया था। सचिन गोरा ने कभी नीट परीक्षा दी ही नहीं। एसीपी (चौमूं) अशोक चौहान ने बताया कि आरोपी सचिन गोरा ने साल-2020 में आयोजित नीट यूजी परीक्षा को पास करने के लिए डॉक्टर सुभाष सैनी से संपर्क किया। उस समय सुभाष सैनी आयु विज्ञान की डिग्री लेकर वर्तमान में कॉमन हेल्थ ऑफिसर के पद पर घाटवा में पदस्थापित है। डॉक्टर सुभाष सैनी के जरिए 60 लाख रुपए में परीक्षा पास करवाने का सौदा किया गया। सचिन की जगह परमिशन लेटर पर अजीत की फोटो लगाकर पास कराया गया। पूछताछ में सामने आया है कि साल-2013 में आरोपी सुभाष सैनी ने नीट पीजी में पास करवाने के एवज में 65 लाख रुपए लिए थे। करणी विहार थाना पुलिस ने साल-2013 में प्रकरण में छह आरोपितों को गिरफ्तार किया था। थानाधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि चौंमू निवासी 45 वर्षीय व्यक्ति ने मामला दर्ज करवाया था। जहां जांच के दौरान पिछले 15 दिनों में कार्रवाई में एनटीए और संबंधित संस्थानों से रिकॉर्ड लिया गया था और परमिशन लेटर में भी सचिन की जगह अजीत के फोटो लगाकर एग्जाम देना सामने आया था। इसके अलावा जगन्नाथ पहाड़िया मेडिकल कॉलेज भरतपुर और एम्स जोधपुर मेडिकल कॉलेज से भी आवश्यक रिकॉर्ड मांगा गया था।

धर्म परिवर्तन के मुद्दे पर सिख हों एकजुट : अकाल तख्त जत्थेदार

आपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर एसजीपीसी ने भिंडरावाले के पुत्र समेत कई को किया सम्मानित

चंडीगढ़ (हिंस)। अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने कहा कि धर्म परिवर्तन के मुद्दे पर सिख कौम को एक होना चाहिए। यह वर्ष 2002 में शुरू हुआ है। अपने लोगों को वापस लाना चाहिए। जो इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं, वह उनसे मिले हैं। उम्मीद है कि हमारे किए जा रहे प्रयासों को सफलता मिलेगी। अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज शुक्रवार को यहां ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। गड़गज ने कहा कि आज कौम के सामने बहुत बड़ी चुनौतियां हैं। बंदी सिखों की बात होनी चाहिए। भाई बलवंत सिंह राजोआना की बात हो। कौम पिछले लंबे समय से लड़ाई लड़ रही है, लेकिन जब तक हम एक साथ होकर खालसा के झंडे के नीचे लड़ाई नहीं लड़ेंगे, उतनी देर तक हमारे प्रयास कामयाब नहीं होंगे। जत्थेदार ने कहा कि आज जब हम अपने शहीदों को याद कर रहे हैं, उन शहीदों ने कौम की रक्षा के लिए अपनी जानों की कुर्बानी दी है। हम भी मतभेद छोड़कर इकट्ठे हों। उन्होंने कहा कि आज मैंने अरदास में भी कौम की एकता का जिक्र किया। गुरु का संदेश क्या है, मैंने अरदास में लोगों को याद दिलाया है। हम एक साझा परिवार हैं, आनंदपुर के वासी हैं और सरबत के भले की सोच वाले हैं। इस बीच अकाल तख्त साहिब पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान हरिमंदिर साहिब के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी रघुबीर सिंह, एसजीपीसी के प्रधान हरजिंद्र सिंह धामी, दमदमी टकसाल के मुखी बाबा हरनाम सिंह,बुड्ढा दल के मुखी बलबीर सिंह 96वें करोड़ी, बाबा निहाल सिंह हरियां वेलां समेत कई गणमान्य मौजूद रहे। इस अवसर पर एसजीपीसी के प्रधान हरजिंदर सिंह धामी ने जरनैल सिंह भिंडरावाले के बेटे ईशर सिंह, अमरीक सिंह की बेटी बीबी सतवंत कौर, भाई मनजीत सिंह, नछत्र सिंह के पुत्र भूपिंद्र सिंह, जन-सुबेग सिंह के भाई बेअंत सिंह समेत कई शहीदों के परिवारों के सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसजीपीसी प्रधान एचएस धामी ने कहा कि कांग्रेस हकूमत की तरफ से जून 1984 में किए अत्याचारों को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

मुस्लिम बोहरा समाज ने हर्षोल्लास से मनाई ईद

अजमेर (हिंस)। मुस्लिम समुदाय की ओर से ईद उल जुहा पर्व शनिवार को मनाया जाएगा। मुस्लिम समाज के लोग ईद को उत्साह व भाईचारे के साथ मनाने की तैयारियों में जुटे हुए हैं। ईद के मौके पर केसरगंज सहित शहर की विभिन्न मस्जिदों में ईद की नमाज अदा होगी। ईद के मौके पर दरगाह का जन्नती दरवाजा भी जायरीन के लिए खोला जाएगा। ईद को लेकर दरगाह कमेटी ने नमाज का वक्त भी जारी कर दिया है। शहर काजी तौसीफ अहमद सिद्दीकी के मुताबिक सुबह 7 बजे दरगाह स्थित शाहजहानी मस्जिद में नमाज होगी। इसी तरह संदल खाना मस्जिद और कलंदरी जामा मस्जिद आदर्श नगर में सुबह पौने आठ बजे, कलेक्ट्रेट स्थित मस्जिद मुए मुबारक में सुबह पौने आठ बजे केसरगंज स्थित ईदगाह में और सूफी मस्जिद सोमलपुर में सुबह आठ बजे, क्लॉक टावर स्थित मस्जिद में सुबह साढ़े आठ बजे तथा सूफी मस्जिद सोमलपुर में सुबह साढ़े आठ बजे नमाज पढ़ी जाएगी। ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह स्थित जन्नती दरवाजा अल सुबह खोला जाएगा।

आरसीए में विवाद पर अशोक गहलोत ने सरकार को घेरा

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) में चल रहे विवादों को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राज्य सरकार से इस विवाद में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के आने के बाद से ही आरसीए में अनिश्चितता और संघर्ष का माहौल बना है। जिससे क्रिकेट प्रेमियों में गहरी निराशा है। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने शुक्रवार को अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि राज्य सरकार ने आरसीए में एडहॉक कमेटी का गठन किया, जो केवल तीन महीने के लिए होनी चाहिए थी, लेकिन डेढ़ साल बीत जाने के बाद भी चुनाव नहीं कराए गए हैं। क्रीड़ा परिषद और खेल विभाग के साथ एडहॉक कमेटी में भी मतभेद चल रहे हैं और सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। इससे राजस्थान में आईपीएल जैसे बड़े आयोजनों पर संकट खड़ा हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने कार्यकाल में आरसीए की उपलब्धियों को भी गिनाया। उन्होंने बताया कि उनके समय में आरसीए पर लगा बीसीसीआई का बैन हटाया गया, अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल मैचों का आयोजन शुरू हुआ, राज्यस्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित हुई, जोधपुर के बरकतुल्लाह खां स्टेडियम का जीर्णोद्धार हुआ और जयपुर के पास वेदांता समूह के सहयोग से विश्वस्तरीय स्टेडियम का निर्माण कार्य भी प्रारंभ हुआ। गहलोत ने अफसोस जताया कि अब वह निर्माण कार्य भी ठप पड़ा है। उन्होंने राज्य सरकार से अपील की कि क्रिकेट खिलाड़ियों और लाखों प्रशंसकों की भावनाओं का सम्मान करते हुए आरसीए में जारी संघर्ष को तत्काल समाप्त कराए और क्रिकेट के विकास के लिए एक स्थिर और पारदर्शी प्रणाली सुनिश्चित करे।

राजस्थान लोक सेवा आयोग : बिना योग्यता किया है आवेदन तो हो सकते हैं परीक्षाओं से डिबार

अजमेर (हिंस)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं में बिना वांछित योग्यता व अनुभव के आवेदन करने पर आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं से डिबार किया जा सकता है। आयोग द्वारा डिबार किए गए अभ्यर्थियों की सूचना अन्य सरकारी भर्ती एजेंसियों के साथ भी साझा की जाएगी। इस कारण ऐसे अभ्यर्थी उन परीक्षाओं से भी वंचित हो सकते हैं, जिसके लिए वे वास्तव में पात्र हैं। आयोग ने अभ्यर्थियों को 9 जून तक आवेदन विदड्रा करने का अवसर दिया है किंतु अभ्यर्थियों की ओर से किसी तरह का सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। उल्लेखनीय है कि आयोग द्वारा माह अक्तूबर 2024 में असिस्टेंट प्रोफेसर (संस्कृत कॉलेज एजुकेशन) परीक्षा- 2024 अंतर्गत ऐसे ही 14 अभ्यर्थियों के विरुद्ध न्यायालय अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-संख्या 3, अजमेर में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 217 में परिवाद प्रस्तुत किया हुआ है। आयोग सचिव के अनुसार 9 जून तक इन परीक्षाओं के लिए आवेदन करने वाले वांछित योग्यता नहीं होने पर अपना आवेदन विदड्रो कर सकते हैं। इनमें सहायक परीक्षण अधिकारी (सार्वजनिक निर्माण विभाग) 14 जून 2024, सहायक निदेशक (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग) 14 जून 2024, कनिष्ठ रसायनज्ञ (भू-जल विभाग) 14 जून 2024, उपाचार्य/अधीक्षक आईटीआई (कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग) 1 जुलाई 2024, उप कारापाल (कारागार विभाग) 1 जुलाई 2024, सहायक मत्स्य विकास अधिकारी (मत्स्य विभाग) 2 सितंबर 2024, समूह अनुदेशक/सर्वेयर/सहायक शिक्षुता सलाहकार ग्रुप- 2 सितंबर 2024, तकनीकी सहायक- भू भौतिकी (भू-जल विभाग) 27 सितंबर 2024, अनुसंधान सहायक (मूल्यांकन विभाग) 8 अक्तूबर 2024, बॉयोकेमिस्ट (चिकित्सा शिक्षा ग्रुप-1 विभाग) 27 सितंबर 2024, सहायक विद्युत निरीक्षक (उर्जा विभाग) 2 अप्रेल 2025, कनिष्ठ रसायनज्ञ (जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग) 2 अप्रेल 2025 शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आयोग की आईटी शाखा द्वारा विशेष सॉफ्टवेयर एवं एआई तकनीक से आवेदनों की निरंतर जांच की जा रही है। उक्त भर्तियों में प्राप्त आवेदनों की रैंडम व सेम्पल जांच में पाया गया कि अनेक आवेदकों के पास अनिवार्य योग्यता व अनुभव नहीं होने के उपरांत भी उनके द्वारा आवेदन किया गया है। आवेदनों की जांच दौरान यह सामने आया कि अपात्र अभ्यर्थियों द्वारा अनर्गल रूप से विभिन्न भर्तियों में आवेदन किए गए हैं। इनमें से कई अभ्यर्थियों द्वारा 3-4 भर्तियों जिनकी वांछित शैक्षणिक योग्यता पूरी तरह भिन्न- भिन्न है, उनमें भी आवेदन किए गए हैं। ऐसे ही अभ्यर्थी जसवंत गरासिया पुत्र स्व. कामजी गरासिया निवासी ग्राम गराडिया, वार्ड नं. 4 पोस्ट महूडी वाया कालिंजरा तहसील सज्जनगढ, बांसवाड़ा तथा खैलेन्द्र प्रसाद पुत्र श्री रघुनाथ प्रसाद निवासी शीतला माता मंदिर के पास, रैगर मौहल्ला, सांभर लेक, जयपुर का प्रकरण भी आयोग द्वारा पकड़ा गया है। विभिन्न भर्ती परीक्षाओं अंतर्गत जारी की गई अपात्र अभ्यर्थियों की सैंपल सूची आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। जसवंत गरासिया की शैक्षणिक योग्यता बीए है। इसके बाद भी इनके द्वारा सहायक निदेशक (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग) भर्ती-2024 तक में ऑनलाइन आवेदन किया गया है। एक अन्य आवेदक खैलेन्द्र प्रसाद की शैक्षणिक योग्यता बैचलर ऑफ इंजिनियरिंग है। इसके बावजूद उन्होंने सहायक परीक्षण अधिकारी के पद पर आवेदन किया गया है। आयोग सचिव ने वास्तविकता जानने के लिए जब जसवंत गरासिया से आवेदन में दिए फोन नंबर पर संपर्क किया तो अभ्यर्थी ने स्वयं की शैक्षणिक योग्यता बीए ही बताई और ऑनलाइन आवेदन के संबंध में अनभिज्ञता जाहिर करते हुए टालमटोल करने लगा। ऐसे ही एक अन्य प्रकरण में एक अभ्यर्थी ने मात्र चतुर्थ श्रेणी भर्ती में ऑनलाइन आवेदन किए जाने एवं आयोग में उसके द्वारा किए गए अन्य आवेदनों के संबंध में जानकारी तक नहीं होने का हवाला दिया। हालांकि भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आवेदक को स्वयं की एसएसओ आइडी के माध्यम से रिक्रूटमेंट पोर्टल पर जाकर ही करने होते है। आवेदन फाइनल सबमिट करने से पूर्व भी ओटीपी के माध्यम से प्रतिपुष्टि की जाती है। अभ्यर्थी किसी भी भर्ती के अंतर्गत आवेदन करने से पूर्व आयोग द्वारा जारी विज्ञापन का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें। विज्ञापन में पदों की संख्या, वर्गवार वर्गीकरण एवं वांछित योग्यता तथा अनुभव का स्पष्ट उल्लेख होता है। विज्ञापन जारी किए जाने के बाद ऑनलाइन आवेदन के लिए अभ्यर्थियों को पर्याप्त समय दिया जाता है। आवेदक यह सुनिश्चित होने के बाद कि वह विज्ञापन अनुसार पद की सभी वांछित योग्यता रखता है तभी ऑनलाइन आवेदन करे। यदि संभव हो तो स्वयं ही ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया करें।

बिहार में शासन प्रशासन व्यवस्था ध्वस्त हो चुका है : सोहन झा

सहरसा (हिंस)। मुजफ्फरपुर में दलित नाबालिग बालिका के साथ हुए बलात्कार और हत्या के विरोध में जनसुराज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को स्थानीय स्टेडियम के बाहरी परिसर में जिला संगठन महिला अध्यक्ष नीलू देवी के अध्यक्षता एवं पतरघट प्रखंड अध्यक्ष रूपेश मिश्रा के संचालन में एक दिवसीय धरना का आयोजन किया। धरना की अध्यक्षता कर रहे नीलू देवी ने कहा कि मुजफ्फरपुर में दुर्भाग्यपूर्ण बलात्कार एवं नृशंस हत्या और बिहार में भ्रष्ट स्वास्थ व्यवस्था के विरोध मे आज हमलोग धरना पर बैठे है। उन्होंने कहा कि सुशासन की बात करने वाले बिहार सरकार अब बिहार को चलाने में बिल्कुल असमर्थ हो चुका है। पूरे प्रदेशभर में बलात्कार हत्या लूट रंगदारी से जनता त्राहिमाम है। आज जिस तरह मुजफ्फरपुर में दलित नाबालिग बालिका के साथ सामूहिक बलात्कार कर फेक दिया गया और उसके बाद जिस सरकारी सिस्टम को पीड़िता के साथ खड़ा होना था उसी सिस्टम ने पीड़िता की जान ले ली।

चिप्स और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने सेज के नियमों में बड़ी छूट

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक घटकों के उच्च तकनीक विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) के नियमों में जरूरी संशोधन किए हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी की गई अधिसूचना के अनुसार अब इन क्षेत्रों में निवेश करने वाली इकाइयों के लिए न्यूनतम भूमि की आवश्यकता 50 हेक्टेयर से घटाकर मात्र 10 हेक्टेयर कर दी गई है। सरकार द्वारा

भारत को विश्व में तकनीकी विनिर्माण हब के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी

सेज नियमों में यह ढील इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उद्योगों के लिए निवेश को आकर्षित करने और उत्पादन बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल उच्च तकनीक क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा बल्कि भारत को विश्व में तकनीकी विनिर्माण हब के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी। यह राहत मुख्य रूप से सेमीकंडक्टर, डिस्प्ले मॉड्यूल सब-असेंबली, प्रिंटेड सर्किट बोर्ड, लिथियम-आयन बैटरी सेल, मोबाइल और आईटी हार्डवेयर घटक, हियरेबल्स और वियरेबल्स सहित उच्च तकनीक विनिर्माण इकाइयों के लिए लागू होगी।

सरकार का उद्देश्य इन अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देना और देश में चिप्स तथा इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन को मजबूत करना है। विशेष आर्थिक क्षेत्र (संशोधन) नियम, 2025 के तहत ये बदलाव 15 जून, 2021 से प्रभावी हो चुके हैं। इस कदम से छोटे एवं मध्यम उद्योगों को भी सेज क्षेत्र में आने में मदद मिलेगी क्योंकि भूमि की कम आवश्यकताओं के कारण अधिक उद्यम इस योजना का लाभ उठा पाएंगे। इस संशोधन से भारत में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में देश की भागीदारी मजबूत होगी।

न्यूज ब्रीफ

मांग कमजोर होने से मई में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री तीन फीसदी घटी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात में युद्ध संबंधी चिंताएं एवं सीमा पर तनाव बढ़ने से ग्राहकों ने खरीदारी में देरी की तथा छोटी कारों की मांग में नरमी आने से मई में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार तीन प्रतिशत की गिरावट आई। वाहन डीलरों के संगठन फाडा ने यह जानकारी दी। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार पिछले महीने यात्री वाहनों का पंजीकरण 3,02,214 इकाई रहा, जबकि मई 2024 में यह 3,11,908 इकाई रहा था। इसमें कहा गया कि छोटी कारों की मांग सबसे अधिक प्रभावित हुई है। सीमित वित्तपोषण और कमजोर उपभोक्ता भावना इसकी मुख्य वजह रही। वाहन डीलरों के संगठन के अनुसार मई में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 16,52,637 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 15,40,077 इकाई थी। वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री मई में सालाना आधार पर चार प्रतिशत घटकर 75,615 इकाई रह गई, जिसकी वजह माल ढुलाई चक्र में नरमी, नकदी की तंगी और भू-राजनीतिक तनाव रहा ।

इरेडा के क्यूआईपी निर्गम का न्यूनतम मूल्य 173.83 रुपये प्रति शेयर तय

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इरेडा के निदेशक मंडल ने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) निर्गम के लिए आधार मूल्य 173.83 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। कंपनी इसके जरिये करीब 5,000 करोड़ रुपये जुटाएगी। भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के निदेशक मंडल (बोर्ड) ने इस साल जनवरी में 5,000 करोड़ रुपये तक जुटाने के लिए क्यूआईपी को मंजूरी दी थी। इसके बाद फरवरी में कंपनी के शेयरधारकों ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इरेडा ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बोर्ड ने 23 जनवरी को आयोजित अपनी बैठक में निदेशक मंडल के अनुमोदन और 24 फरवरी को पारित एक विशेष प्रस्ताव के माध्यम से कंपनी के शेयरधारकों के अनुमोदन के बाद अपनी बैठक में पात्र संस्थागत खरीदारों के लिए पांच जून, 2025 को प्रस्तावित निर्गम को खोलने के लिए अधिकृत करने को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा बोर्ड ने कहा कि उसने इस निर्गम के लिए आधार मूल्य को मंजूरी दे दी है, जो सेबी के आईसीडीआर नियमों के तहत निर्धारित मूल्य निर्धारण फॉर्मूले के आधार पर 173.83 रुपये प्रति इक्विटी शेयर है।

यूपीआई वीसा को पछाड़कर बना सबसे तेज़ डिजिटल पेमेंट सिस्टम

नई दिल्ली। कुछ समय पहले तक डिजिटल पेमेंट का मतलब वीसा और मास्टरकार्ड जैसे कार्ड नेटवर्क होते थे, लेकिन अब भारत द्वारा विकसित यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने इस परिदृश्य को बदल दिया है। भारत की यह तकनीक अब देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी सबसे तेज और प्रभावशाली भुगतान प्रणाली बनी हुई है। जून 2025 की शुरुआत में ही यूपीआई ने रोजाना 65 करोड़ से अधिक ट्रांजेक्शन का रिकॉर्ड बना लिया है, जो कि वीसा के औसत दैनिक ट्रांजेक्शन 64 करोड़ से अधिक है। यह पहली बार है जब यूपीआई ने रोजाना ट्रांजेक्शन के मामले में वीसा को पछाड़ दिया है। जून 2025 में ही यूपीआई ने रोजाना 65 करोड़ से अधिक ट्रांजेक्शन का रिकॉर्ड बनाया यूपीआई की यह सफलता केवल आंकड़ों की बात नहीं है, बल्कि इसमें छिपी है वह तकनीकी सरलता और सुविधा, जिसने आम आदमी से लेकर छोटे व्यवसायियों तक सभी को डिजिटल भुगतान से जोड़ा है। बिना किसी कार्ड के, सीधे बैंक से बैंक में तत्काल और मुफ्त ट्रांसफर, केवल मोबाइल नंबर या क्यूआर कोड के जरिए, यह वह सुविधा है जो वीसा या मॉस्टरकार्ड जैसी पारंपरिक प्रणालियाँ नहीं दे सकीं। भारत सरकार और रिजर्व बैंक द्वारा इसे हर कोने तक पहुंचाने के प्रयास ने भी इसकी लोकप्रियता को कई गुना बढ़ा दिया है।

आरबीआई ने 2025-26 के लिए महंगाई दर का अनुमान घटाकर 3.7 फीसदी किया

नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने महंगाई दर के अनुमान को मौजूदा 4.0 फीसदी से घटाकर 3.7 फीसदी कर दिया है। रिजर्व बैंक ने उम्मीद जताई है कि जिंसों की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में कमी के साथ मुख्य मुद्रास्फीति नरम बनी रहेगी।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मुंबई में तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि सामान्य मानसून के मद्देनजर चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति यानी खुदरा महंगाई दर अब 3.7 फीसदी पर रहने का अनुमान है। इसके अप्रैल-जून तिमाही में 2.9 फीसदी, जुलाई-सितंबर तिमाही में 3.4 फीसदी, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 3.9 फीसदी और जनवरी-मार्च तिमाही में 4.4 फीसदी रहने का अनुमान है। मल्होत्रा ने कहा कि महंगाई दर का यह अनुमान सभी प्रमुख चीजों में कीमतों के अनुकूल रहने की ओर इशारा करता है। रबी फसल के मौसम में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन और प्रमुख दालों के उच्च उत्पादन से प्रमुख खाद्य वस्तुओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित होनी चाहिए। भविष्य में सामान्य से बेहतर मानसून और इसके जल्दी आने की संभावना खरीफ फसल की संभावनाओं के लिए अच्छे संकेत है। मल्होत्रा ने कहा, ''अधिकतर अनुमान कच्चे तेल सहित प्रमुख वस्तुओं की कीमतों में निरंतर नरमी की ओर इशारा करते हैं।'' उन्होंने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पेश करते हुए कहा कि अनुकूल पूर्वानुमान के बावजूद वह मौसम संबंधी अनिश्चितताओं और वैश्विक स्तर पर जिंस की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव के साथ शुल्क संबंधी चिंताओं को लेकर सतर्क रहेगा। दरअसल केंद्रीय बैंक ने प्रमुख नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को भी 0.50 फीसदी घटाकर 5.50 फीसदी कर दिया है। उल्लेखनीय है कि खुदरा महंगाई दर अप्रैल 2025 तक लगातार तीन महीने चार फीसदी की सीमा से नीचे रही है। खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में घटकर 3.16 फीसदी पर आ गई है, जो इसका छह साल का निचला स्तर है। चार फीसदी से कम औसत खुदरा महंगाई दर का यह अनुमान हाल के वर्षों में सबसे कम है। आरबीआई ने अप्रैल में अपनी मौद्रिक नीति घोषणा में वित्त वर्ष 2025-26 में खुदरा मुद्रास्फीति के औसतन चार फीसदी रहने का अनुमान जताया था। सरकार ने आरबीआई को मुद्रास्फीति को दो फीसदी घट-बढ़ के साथ चार फीसदी पर रखने का लक्ष्य दिया है।

आरबीआई ने 2025-26 के लिए जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 6.5 फीसदी पर रखा बरकरार

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भी 6.50 फीसदी की विकास दर दर्ज की गई है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद इसका ऐएलान किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती, स्थिरता और अवसर की तस्वीर पेश कर रही है। मलहोत्रा ने कहा कि एमपीसी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद के लिए अपने विकास दर के अनुमान को 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा है, जो हमारे पहले के पूर्वानुमान के अनुसार जारी रहेगी। मल्होत्रा ने बताया कि वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितता के बीच केंद्रीय बैंक ने यह कदम उठाया है। चालू वित्त वर्ष 2025-2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में जीडीपी की वृद्धि दर 6.50 फीसदी, दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में 6.7 फीसदी, तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में 6.6 फीसदी और चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2026) में 6.4 फीसदी रहेगी। उन्होंने कहा कि यह अनुमान दर्शाता है कि अर्थव्यवस्था हर तिमाही में मजबूत बनी रहेगी, हालांकि वित्त वर्ष के अंत में थोड़ी नरमी देखी जा सकती है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने घरेलू अर्थव्यवस्था को गति देने के मकसद से प्रमुख नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 0.50 फीसदी घटाकर 5.50 फीसदी कर दिया है। वहीं, चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को चार फीसदी से घटाकर 3.7 फीसदी कर दिया गया है।

मई में घर में बनाई गई थाली की कीमतों में आई 6 प्रतिशत की गिरावट: रिपोर्ट

नई दिल्ली

क्रिसिल की नवीन रिपोर्ट के अनुसार मई महीने में उच्च आधार प्रभाव दर्ज करके उपभोक्ताओं की सब्जियों की कीमतों में भयंकर गिरावट आई है। इसके परिणामस्वरूप घर पर पकाई गई शाकाहारी और मांसाहारी थाली की कीमतों में सालाना 6 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

शाकाहारी थाली की कीमत स्थिर रही, जबकि मांसाहारी थाली में 2 प्रतिशत की कमी आई

शाकाहारी थाली की कीमत मासिक आधार पर स्थिर रही, जबकि मांसाहारी थाली की कीमत में पिछले महीने 2 प्रतिशत की कमी आई। रोटी राइस दर (आरआरआर) रिपोर्ट के अनुसार मई में टमाटर की कीमतें 33 रुपए प्रति किलोग्राम से 29 प्रतिशत गिरकर 23 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गईं। बीते वर्ष पैदावार को लेकर चिंताओं के कारण कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई थी।

प्याज और आलू की कीमतों में क्रमश: 15 प्रतिशत और 16 प्रतिशत की गिरावट आई है। आंकड़ों और डेटा से पता चलता है कि इस गिरावट के पीछे ताजा सब्जियों की उपलब्धता और मौसमी बदलावों का असर है। बीते साल के तुलनात्मक नुकसान के चलते वृद्धि दर्ज की गई यह कीमतें इसकी पहली बारें हैं।

क्रिसिल इंटेलिजेंस के डायरेक्टर का कहना है कि मई महीने में अनाज, दाल, सब्जियां और ब्रॉयलर की कीमतों में अलग-अलग परिवर्तन दर्ज किए गए हैं।

आगामी समय में भारी मौसमी बदलाव के कारण सब्जियों की कीमतों में और तेजी की संभावना है, जबकि घरेलू उत्पादन के बीच गेहूं और दालों की कीमतें कम होने की उम्मीद है।

उपभोक्ताओं के मुख्य जीवन में बदलाव लाने वाली इस गिरावट ने खाद्य बजट पर भारी असर डाला है और विभिन्न राज्यों में मांसाहारी और शाकाहारी थाली की लागत में व्यापक अंतर आया है।

रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.91 पर खुला

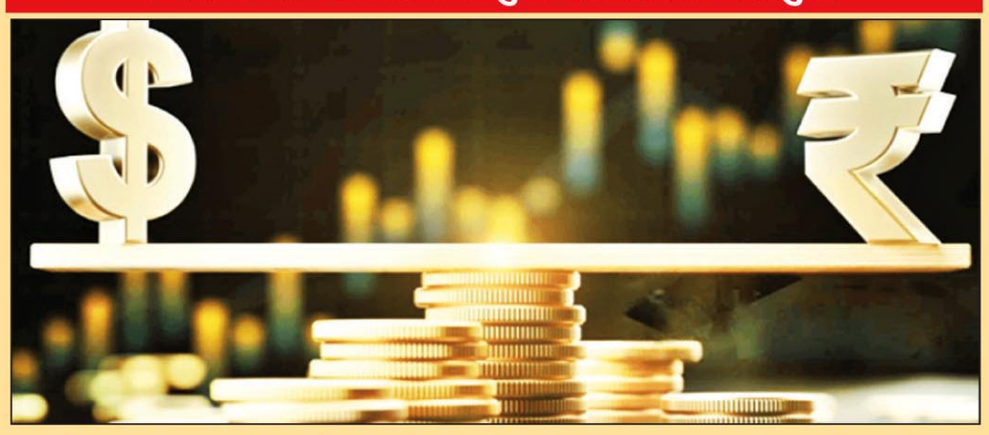

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति के नतीजों से पहले रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में घरेलू मुद्रा में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.91 पर खुला, जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की गिरावट दर्शाता है। हालांकि जल्द ही यह उबर गया और डॉलर के मुकाबले 85.77 पर पहुंच गया। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.79 पर बंद हुआ था रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.79 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.77 पर रहा।

वोल्सवेगन 35,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

नई दिल्ली

जर्मनी की प्रमुख कार निर्माता कंपनी वोल्सवेगन ने आने वाले वर्षों में बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी की योजना बनाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की यह योजना 2030 तक जर्मनी में करीब 35,000 कर्मचारियों को छंटनी करने की है। कंपनी के अनुसार यह कदम लागत में कटौती और वैश्विक चुनौतियों से निपटने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है।

20,000 से अधिक कर्मचारी पहले ही स्वेच्छा से रिटायरमेंट लेने के लिए सहमत हो गए हैं। वोल्फ्सबर्ग की मुख्यालय में हुई बैठक में चर्चा हुई कि कर्मचारियों को वॉलेंट्री रिटायरमेंट का विकल्प दिया जाए। साथ ही सेवरेंस पैकेज की पेशकश भी की जा रही है, जिसमें एक कर्मचारी को 400,000 डॉलर तक का मुआवजा मिल सकता है। कंपनी ने निर्णय लिया है कि 2026 से ट्रेनी कर्मचारियों की संख्या 1,400 से 600 कर दी जाएगी। इसके साथ सालाना 1.5 बिलियन यूरो की बचत करने का लक्ष्य रखा गया है। कंपनी का कहना है कि इन कदमों से वह स्थिर और प्रतिस्पर्धी उत्पादन माहौल बनाए रखेगी, जबकि किसी भी फैक्ट्री को बंद नहीं किया जाएगा।

ट्रंप के ट्रेड वॉर से भारत समेत कई देशों की उभरती अर्थव्यवस्थाएं दोतरफा दबाव में

नई दिल्ली

अमेरिका का ग्लोबल ट्रेड वॉर फिर तेज़ हो गया है। इस बार यह उभरती अर्थव्यवस्थाओं के सेंट्रल बैंकों के लिए कोविड महामारी से भी बड़ी चुनौती बनता नजर आ रहा है। यह कहना है अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमए) की फर्स्ट डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर का।

हाल ही में उन्होंने कहा कि जब 2020 में कोविड महामारी आई थी तब दुनिया के ज्यादातर सेंट्रल बैंक एक साथ काम कर रहे थे। ब्याज दरें घटाई गई थीं, राहत पैकेज लाए गए थे, लेकिन अब माहौल बदला हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और चीन के बीच चल रहे ट्रेड वॉर से बने टैरिफ अलग-अलग देशों को अलग तरह से प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार चुनौती पहले से भी ज्यादा बड़ी है। कोविड में सभी देश एक जैसी दिशा में आगे बढ़ रहे थे, लेकिन अब असमान असर हो रहा है। अब उभरती अर्थव्यवस्थाएं दोतरफा दबाव में हैं। एक तरफ उन्हें घरेलू मांग को सहारा देने के लिए ब्याज दरें कम करनी पड़ सकती हैं, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका में ब्याज दरें ऊंची रहने से डॉलर मजबूत है, जिससे विदेशी निवेश बाहर जा सकता है।

ऐसे में भारत जैसे देश ब्याज दरें घटाते हैं तो उनकी करेंसी पर असर पड़ सकता है। आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक हो रही है, जिसमें रेपो रेट को 25 से 50 बेसिस प्वाइंट तक कम करने की उम्मीद जताई जा रही है। यह इस साल की तीसरी कटौती होगी। वहीं अमेरिका का फेडरल बैंक ट्रंप के दबाव में दरें घटाने के मूड में नहीं है। जब तक उसे भरोसा नहीं हो जाता कि टैरिफ से महंगाई नहीं बढ़ेगी, वह किसी रेट कट की संभावना नहीं देखता।

इससे ग्लोबल वित्तीय माहौल सख्त हो सकता है और विकासशील देशों की नीति सीमित हो सकती है। एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगर वैश्विक निवेशकों का भरोसा डगमगाया, तो उभरते बाजारों से पूंजी बाहर जा सकती है। इससे उन देशों की करेंसी पर दबाव और कर्ज़ लेने की लागत बढ़ सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं के सामने पूंजी निकासी, करेंसी में गिरावट और कर्ज महंगा होने का खतरा है। मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा कि फिलहाल उभरती अर्थव्यवस्थाएं धुंध में रास्ता तलाश रही हैं। अमेरिका-चीन के बीच थोड़े समय के लिए समझौता हुआ था, लेकिन बाद में ट्रंप ने चीन पर आरोप लगाए कि वह डील का उल्लंघन कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने स्टील और एल्युमिनियम पर डबल टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया, जिससे तनाव और बढ़ गया है।

अर्जेंटीना ने फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर में चिली को 1-0 से हराया

नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 के क्वालीफाई मुकाबले में अर्जेंटीना ने चिली को 1-0 से हराकर तीन अंक हासिल किए। यह मुकाबला गुरुवार को सैंटियागो में खेला गया। अर्जेंटीना के लिए एकमात्र गोल जूलियन अल्वारेज़ ने 23वें मिनट में किया।

अर्जेंटीना और चिली के बीच फुटबॉल में लंबे समय से जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता रही है, जिसमें 1942 की दक्षिण अमेरिकी चैम्पियनशिप से लेकर 2016 कोपा अमेरिका फाइनल तक के मुकाबले शामिल हैं। उस फाइनल में हार के बाद लियोनेल मेसी ने अंतरराष्ट्रीय संन्यास की घोषणा कर दी थी, हालांकि बाद में वे दोबारा खेल में लौट आए थे।

इस मुकाबले में अर्जेंटीना पहले ही विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुका था, इसलिए कप्तान मेसी को शुरुआती ग्यारह खिलाड़ियों में शामिल नहीं किया गया। टीम ने युवा खिलाड़ियों निको पाज़, जूलियन अल्वारेज़ और जियोवानी सिमीओने के साथ शुरुआत की। हालांकि, मैच की पहली वास्तविक कोशिश चिली ने की, जब तीसरे ही मिनट में एलेक्सिस सांचेज़ ने बॉक्स के बाहर से ज़ोरदार शॉट लगाया, जिसे गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज़ ने शानदार बचाव करते हुए रोक लिया।

इसके बाद अर्जेंटीना ने खेल पर नियंत्रण बना लिया और पहले हाफ में चिली को कोई खास मौका नहीं दिया। 13 मिनट बाद थियागो आल्माडा ने एक शानदार पास दिया, जिसे अल्वारेज़ ने चिप शॉट से गोल में तब्दील कर दिया। गेंद गोलपोस्ट से लगकर भीतर चली गई।

दूसरे हाफ में चिली ने वापसी की कोशिश की और 60वें मिनट के बाद तीन बार गोल करने की कोशिश की, लेकिन अर्जेंटीना की मजबूत रक्षा और गोलकीपर मार्टिनेज़ की फुर्ती ने उसे बराबरी का मौका नहीं दिया।

इस जीत के साथ अर्जेंटीना ने दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग अंक तालिका में अपराजेय बढ़त बना ली है, जबकि चिली सबसे नीचे है और उसकी विश्व कप में जगह बनाने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं।

अब अर्जेंटीना 10 जून को कोलंबिया से भिड़ेगा, जबकि चिली का सामना उसी दिन बोलिविया से होगा। 2026 विश्व कप के लिए शीर्ष छह टीमें सीधा प्रवेश पाएंगी।

न्यूज़ ब्रीफ

मेरे पर हमेशा ही रहता है दबाव : गंभीर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले कहा है कि मैं हमेशा ही दबाव में रहता है। गंभीर ने कहा कि परिणाम जो भी हो उनपर हमेशा ही दबाव रहता है। उन्होंने कहा कि एक कोच के रूप में वे हमेशा अच्छे परिणाम चाहते हैं और यह तथ्य कि चीजें विपरीत दिशा में जा सकती हैं, उन्हें हमेशा सतर्क रहना होता है। गंभीर की रहा मुख्य कोच बनने के बाद से ही कठिन रही है। श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में भी वह हारी। इसके बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भी टीम 1-3 से हारी। पिछले साल भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी और उसके बाद से ही सभी की नजरें गंभीर की कोचिंग और इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम के प्रदर्शन पर रहेंगी। गंभीर ने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद अब उन्हें नये कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम का मार्गदर्शन करना होगा। ये इसलिए भी कठिन रहेगा क्योंकि अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी सीरीज के सभी मैच नहीं खेलेंगे। गंभीर ने कहा कि बुमराह की उपस्थिति का क्रम काफी हद तक इस बात पर रहेगा कि सीरीज में भारतीय टीम का प्रदर्शन कैसा है।

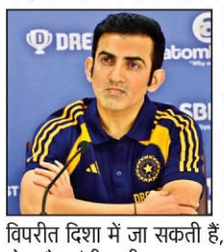

महिला क्रिकेट भी अब फायदेमंद हो रहा: मंधाना

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा है कि कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीए) और अन्य लीगों को जिस प्रकार से सुफलता मिल रही है। उससे साफ है कि महिला क्रिकेट का भविष्य अच्छा है और इससे राजस्व भी मिल रहा है। मंधाना को पहली बार हो रही महाराष्ट्र महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट में रत्नागिरी जेट्स का कप्तान बनाया गया है। उन्होंने कहा, 'महिला क्रिकेट को इस तरह का मंच मिलना खुशी की बात है। प्रदेश संघों और डब्ल्यूपीएल ने भी इसमें काफी मदद की है। इससे साबित होता है कि महिला क्रिकेट से भी अब राजस्व मिने लगा है जो एक अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा, 'कारोबारी अब महिला क्रिकेट में भी पैसे लगाने को तैयार हैं। साथ ही कहा कि खेल जितना पेशेवर होगा, उतना ही बेहतर होगा और इससे जमीनी स्तर के क्रिकेटरों को लाभ होगा। देश में इस समय महिला क्रिकेट में भी निवेश आ रहा है जिससे खिलाड़ी को आगे बढ़ने में सहायता मिल रही है। साथ ही कहा कि हमें अपने करियर में काफी देर से फिटनेस सहित इन चीजों के बारे में पता चला था। साथ ही कहा कि आजकल क्लब स्तर पर उभरते हुए खिलाड़ियों को इसकी बेहतर जानकारी है जिसका लाभ उन्हें मिलेगा।

रॉब वॉल्टर बने न्यूजीलैंड पुरुष क्रिकेट टीम के नए हेड कोच

वेलिंगटन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व व्हाइट-बॉल कोच रॉब वॉल्टर को न्यूजीलैंड पुरुष क्रिकेट टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है। वॉल्टर अगले तीन वर्षों तक टीम की कमान सभी फॉर्मेट्स—टेस्ट, वनडे और टी20—में संभालेंगे। 49 वर्षीय वॉल्टर दक्षिण अफ्रीका की कोचिंग से हाल ही में अलग हुए थे, जबकि उनके अनुबंध की मियाद अभी दो साल और बची थी। उनके नेतृत्व में दक्षिण अफ्रीका ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया, वहीं 2024 टी20 वर्ल्ड कप में टीम फाइनल तक पहुंची थी। गौर करने वाली बात यह है कि वॉल्टर की फैमिली पहले से ही न्यूजीलैंड में रहती है और उन्होंने हॉक्स बे में अपना ठिकाना बनाया हुआ है। न्यूजीलैंड की घरेलू टीमों ओटागो वोल्ट्स और सेंट्रल स्टैग्स के साथ कोचिंग अनुभव भी उनके खाते में है। वॉल्टर ने 2022-23 सीजन में सेंट्रल स्टैग्स को फोर्ड ट्रॉफी और प्लंकेट शील्ड जीत दिलाई थी। इसके अलावा वह 2022 में भारत दौरे पर गई न्यूजीलैंड ए टीम के कोच भी रह चुके हैं और आईपीएल में असिस्टेंट कोच की भूमिका भी निभा चुके हैं। वॉल्टर न्यूजीलैंड के मौजूदा कोच गैरी स्टीड की जगह लेंगे। हालांकि, शुरुआत में न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने अलग-अलग फॉर्मेट्स के लिए अलग कोच नियुक्त करने का विचार किया था, लेकिन बाद में उन्होंने एक ही व्यक्ति को तीनों फॉर्मेट की जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया। उनका कार्यकाल अगले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल, 2027 वनडे वर्ल्ड कप, 2026 और 2028 टी20 वर्ल्ड कप, और 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक तक चलेगा। नियुक्ति के बाद वॉल्टर ने कहा, ब्लैककैप्स लंबे समय से एक सफल और विश्वसनीय टीम रही है, और इस टीम के साथ काम करने का मौका मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह एक बेहद रोमांचक अवसर है, जहां कई बड़े टूर्नामेंट और द्विपक्षीय सीरीज सामने हैं।

शुभमन गिल की टेस्ट कप्तानी की शुरुआत : 'स्पष्टता और आत्मविश्वास' को बनाना चाहते हैं टीम की पहचान

मुंबई

भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने गुरुवार को अपने पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने नेतृत्व के दृष्टिकोण को लेकर पूरी स्पष्टता और आत्मविश्वास दिखाया। 25 वर्षीय गिल इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से अपनी कप्तानी की शुरुआत करने जा रहे हैं और उनका लक्ष्य है – टीम के भीतर विश्वास और पारदर्शिता की संस्कृति को विकसित करना।

मुंबई में मीडिया से बात करते हुए गिल ने कहा, मेरे पास कोई खास कप्तानी का स्टाइल नहीं है। जितना ज़्यादा खेलते हो, उतना ज़्यादा अनुभव आता है और आपकी अपनी शैली खुद सामने आती है। मेरे लिए सबसे जरूरी चीज़ है खिलाड़ियों से संवाद, उन्हें उनकी ताकत और कमजोरी को लेकर सहज महसूस कराना। अगर खिलाड़ी सुरक्षित महसूस करते हैं, तभी वे अपना 100त्न दे पाते हैं।

गिल ने रोहित शर्मा की नेतृत्व शैली की तारीफ करते हुए कहा, रोहित भाई की सबसे बड़ी खूबी थी उनकी साफ़-साफ़ बात करने की शैली। वे जानते थे कि खिलाड़ियों से क्या चाहिए और उसे साफ़ तरीके से बताते थे। मैं भी वही अपनाना चाहूंगा।

भारत को हाल में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ में हार झेलनी पड़ी, जिससे टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई थी। ऐसे में गिल को बड़ी चुनौती के साथ कप्तानी सौंपी गई है।

इस पर गिल ने कहा, हर दौरे में दबाव होता है। हमारे पास अच्छा कॉम्बिनेशन है — अनुभव और टैलेंट का। नए सिरे से शुरुआत करने का मौका है और हम इसके लिए तैयार हैं।

गिल भारत के पांचवें सबसे युवा टेस्ट कप्तान हैं और 1988 में एक टेस्ट के लिए कप्तान बने रवि शास्त्री के बाद सबसे कम उम्र के टेस्ट लीडर हैं।

गिल ने बताया कि टीम का बल्लेबाजी क्रम अभी तय नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा,हम 10 दिनों का कैंप करेंगे और 13 से 16 जून के बीच एक इंट्रा-स्क्वॉड मैच भी होगा। उसी के बाद हम तय करेंगे कि कौन किस क्रम पर खेलेगा।

गौरतलब है कि भारत की 18 सदस्यीय टीम में पहली बार शामिल हुए हैं बी. साई सुधर्शन, जबकि 8 साल बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं करुण नायर। अभिमन्यु ईश्वरन को भी बरकरार रखा गया है। ऑलराउंडर विकल्पों में नितीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर और रवींद्र जडेजा शामिल हैं।

गंभीर बोले – 20 विकेट लेने वाले गेंदबाज़ ही मैच जिताते हैं

हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, केवल पिच की स्थिति नहीं, इंग्लैंड में ऊपर के हालात भी अहम होते हैं। टेस्ट मैच जीतने के लिए 20 विकेट लेने जरूरी होते हैं। चाहे बैटर 1000 रन बना लें, पर अगर 20 विकेट नहीं लिए, तो जीत मुश्किल है।

इंग्लैंड की आक्रामक टेस्ट शैली 'बाज़बॉल' को लेकर गिल ने कहा, वे एक खास अंदाज़ में खेलते हैं। लेकिन यह हमारे लिए एक मौका है। अगर हम अपने प्लान और एग्ज़ीक्यूशन में प्रोऐक्टिव रहे, तो उन्हें दबाव में डाल सकते हैं।

एकदिनी और टी 20 में भारत अभी भी नंबर 1 टीम है, लेकिन टेस्ट में बदलाव का दौर है। गिल के सामने मौका है न सिर्फ खुद को कप्तान के तौर पर साबित करने का, बल्कि टीम को फिर से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की दौड़ में लाने का भी। अगले फाइनल तक गिल 27 वर्ष के होंगे, और यही दो साल उनकी कप्तानी की असली परीक्षा होंगे।

पीयूष चावला ने 36 साल की उम्र में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से लिया संन्यास

नई दिल्ली

दो बार विश्व कप खिताब जीतने वाली टीम के सदस्य रहे हैं चावला

भारत के दिग्गज लेग स्पिनर और दो बार के वर्ल्ड कप विजेता पीयूष चावला ने शुक्रवार को पेशेवर क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। 36 वर्षीय चावला ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 20 साल से ज्यादा समय तक मैदान पर रहने के बाद अब इस खूबसूरत खेल को अलविदा कहने का समय आ गया है। चावला ने 2007 में भारत को टी20 विश्व कप जिताने वाली टीम और 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने पेशेवर क्रिकेट में सभी फॉर्मेट मिलाकर 1000 से अधिक विकेट चटकाए। भारत के लिए उन्होंने 3 टेस्ट, 25 वनडे और 7 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और कुल 43 विकेट हासिल किए। चावला ने महज 17 साल और 75 दिन की उम्र में भारत के लिए इंग्लैंड के खिलाफ मार्च 2006 में टेस्ट डेब्यू किया था। वे इस फॉर्मेट में भारत की ओर से सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले दूसरे पुरुष खिलाड़ी हैं। उनसे पहले यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है जिन्होंने 16 साल और 205 दिन की उम्र में डेब्यू किया था। अपने पोस्ट में चावला ने लिखा, भारत का प्रतिनिधित्व करना और 2007 व 2011 की विश्व विजेता टीम का हिस्सा बनना मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। ये यादें हमेशा मेरे दिल में रहेंगी। आईपीएल में भी पीयूष चावला का करियर शानदार रहा। उन्होंने 4 फ्रेंचाइजियों के लिए खेलते हुए 192 मैचों में 192 विकेट चटकाए। उनका आखिरी आईपीएल कार्यकाल मुंबई इंडियंस के साथ 2022 से 2024 के बीच रहा। उन्होंने कहा, मैं दिल से पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। आईपीएल मेरे करियर का एक खास अध्याय रहा है। अपने कोच के प्रति आभार जताते हुए उन्होंने लिखा, मैं अपने कोच श्री के.के. गौतम और स्वर्गीय श्री पंकज सरस्वत का विशेष धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मुझे एक बेहतरीन क्रिकेटर बनने में मार्गदर्शन दिया।

महिला वॉलीबॉल लीग

बीजिंग में महिला वॉलीबॉल लीग में खेलती हुई चीन और पोलैंड की खिलाड़ी।

आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप में भारत की ओर से एलवेनिल रमिता, मड्डेनेनी समेत 23 निशानेबाज होंगे शामिल

म्यूनिख (जर्मनी) में 8 से 16 जून तक इवेंट में भारत की ओर से 23 सदस्यीय दल भाग लेगा

नई दिल्ली

म्यूनिख (जर्मनी) में 8 जून से शुरू हो रहे आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल इवेंट में भारत की ओर से 23 सदस्यीय दल भाग लेगा। इस दल में एलवेनिल वलारिवन, रमिता जिंदल और मड्डेनेनी उमामहेश जैसे प्रतिभाशाली निशानेबाज शामिल हैं, जो गन फॉर ग्लोरी शूटिंग अकादमी से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

एलवेनिल की उपलब्धियां और लक्ष्य

एलवेनिल वलारिवन अर्जुन अवॉर्ड विजेता हैं। उन्होंने दो बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और दो जूनियर वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। साल 2019 में उन्हें आईएसएसएफ शूटर ऑफ द ईयर का खिताब मिला था और वे 10 मीटर एयर राइफल (महिला वर्ग) में पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 भी रह चुकी हैं। इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने को लेकर उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं हमेशा अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के अवसर के लिए आभारी हूं। मेरा लक्ष्य है कि देश और अपने सभी समर्थकों को गर्व महसूस करा सकूं। गन फॉर ग्लोरी ने मेरे करियर में अहम भूमिका निभाई है, मैं उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देती हूं। रमिता और मड्डेनेनी का शानदार रिकॉर्ड रमिता जिंदल ने 2022 एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था और महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में रजत पदक हासिल किया था। उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में फाइनल में भी जगह बनाई थी। मड्डेनेनी उमामहेश पुरुष 10 मीटर एयर राइफल कैटेगरी में कई एकल और मिक्स्ड मेडल जीत चुके हैं। उन्होंने 2023 जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य और 2022 में सुहल (जर्मनी) में हुए आईएसएसएफजूनियर वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक हासिल किया था। गगन नारंग को अपने शिष्यों पर ग तीनों निशानेबाजों के मेंटॉर लंदन ओलंपिक 2012 के कांस्य पदक विजेता गगन नारंग ने कहा, हमें गर्व है कि हम एलवेनिल, रमिता और मड्डेनेनी की ट्रेनिंग और विकास का हिस्सा बने।

अल्टीमेट टेबल टेनिस जूनियर्स सेमीफाइनल: चैंपियन बनने की जंग में उतरेंगी चार धाकड़ टीमें

अहमदाबाद

ड्रीम अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) जूनियर्स सीज़न 1 अब रोमांचक नॉकआउट चरण में प्रवेश कर चुका है, जहां चार शीर्ष प्रदर्शन करने वाली टीमें सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगी। लीग स्टेज में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए यू मुंबा टीटी की जोड़ी प्रतीक तुलसानी और अनन्या मुरलीधर ने 29 अंकों के साथ टेबल टॉप किया और सेमीफाइनल में जगह पक्की की। अब सेमीफाइनल के पहले मुकाबले में यू मुंबा टीटी का सामना चौथे स्थान पर रही जयपुर पैट्रियट्स से होगा, जिसकी ओर से त्रिशाल सुरापुरेड्डी और श्रेय धीर मैदान में उतरेंगे। जयपुर ने 25 अंकों के साथ अंतिम चार में जगह बनाई है। दूसरे सेमीफाइनल में देम्पो गोवा चैलेंजर्स की ओर से साहिल रावत और आर्या रेडकर की जोड़ी 28 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही, जो तीसरे स्थान पर रही कोलकाता थंडरब्लेड्स से भिड़ेगी। थंडरब्लेड्स की ओर से ऋत्विक गुप्ता और स्वरा कर्मारकर सेमीफाइनल में चुनौती पेश करेंगे। कोलकाता ने 26 अंक जुटाकर टॉप चार में अपनी जगह बनाई। दोनों सेमीफाइनल के विजेता रविवार अहमदाबाद के एकेए एरिना में होने वाले फाइनल मुकाबले में भिड़ेंगे।

सेमीफाइनल मुकाबलों का शेड्यूल

सेमीफाइनल 1: यू मुंबा टीटी बनाम जयपुर पैट्रियट्स – सुबह 9 बजे से 10 बजे तक

सेमीफाइनल 2: देम्पो गोवा चैलेंजर्स बनाम कोलकाता थंडरब्लेड्स – सुबह 10 बजे से 11 बजे तक फाइनल में पहुंचने के लिए चारों टीमें पूरी ताकत झोंकने को तैयार हैं और दर्शकों को एक जबरदस्त टेबल टेनिस मुकाबले की उम्मीद है।

विराट ने खराब मानसिक सेहत के कारण संन्यास लिया : चैपल

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल ने कहा है भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने मानसिक सेहत में आ रही परेशानी को देखते हुए संन्यास लिया है। चैपल के अनुसार विराट के क्रिकेट कौशल में कमी नहीं थी पर वह मानसिक रुप से थक गये थे जिससे उनके प्रदर्शन पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा था। इस पूर्व कप्तान के अनुसार कोहली ने शीर्ष स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए मानसिक रुप से फिट नहीं होने के कारण संन्यास लेना बेहतर समझा। चैपल ने कहा, विराट का फैसला कौशल में कमी के कारण नहीं बल्कि इस कारण था कि अब वह पहले की तरह मानसिक रुप से फिट नहीं है। विराट को लग गया था कि अब उनका दिमाग पहले की तरह फैसले नहीं ले रहा जिससे वह समय से शॉट नहीं लगा पा रहे। कोहली ने पिछले महीने ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 123 टेस्ट में भारतीय टीम की ओर से 30 शतक से 46.85 की औसत से 9,230 रन बनाए।

नई डिजिटल क्रिप्टो करेंसी...

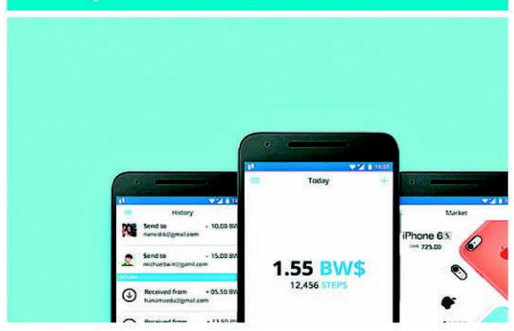

एक नई डिजिटल क्रिप्टो करेंसी लॉन्च की गई है जिससे इंसान पैदल चलकर कमाई कर सकेगा। इस करेंसी का नाम है बिटवॉकिंग डॉलर, जो डिजिटल क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की तरह ही कंप्यूटर से पैदा होगी। स्मार्ट फोन यूजर फोन पर बिटवॉकिंग ऐप की मदद से रिकॉर्ड करेगा कि वो कितने कदम पैदल चला है। फिर कदमों की गिनती के आधार पर प्रति दस हजार कदमों पर यूजर को लगभग एक बिटवॉक डॉलर मिलेगा। शुरू शुरू में, यूजर को कमाई गई करेंसी ऑनलाइन स्टोर में खर्च करने या उससे नकद कमाने का मौका मिलेगा। संस्थापकों का मानना है यह तकनीक विकासशील और गरीब देशों में फिटनेस उद्योग के विकास में खासी मददगार हो सकती है। इनके अनुमान के अनुसार बिटवॉकिंग योजना गरीब देशों के नागरिकों के जीवन को पूरी तरह से बदलकर रख देगी। प्रोजेक्ट की शुरुआत करने वाले निसान बहार और फ्रेंकी इम्बेसी को इस प्रोजेक्ट के लिए जापानी निवेशकों से शुरुआती दस मिलियन डॉलर की मदद मिली है। जापानी मदद की बदौलत वे ऐसे बैंक और करेंसी की शुरुआत करेंगे जो चले गए कदमों और किसी भी तरह के हस्तांतरण को सत्यापित करेगा। इसके अलावा कुछ जूते बनाने वाली कंपनियां इस करेंसी को अपनाने के लिए अपनी सहमति दे चुकी हैं। वैसे पैदल चलकर बिटवॉकिंग डॉलर कमाने का यह कोई नया प्रयोग नहीं है। कई स्टार्ट-अप समूह, सेहत बनाओ और कमाई करो का विचार पहले लागू कर चुके हैं, लेकिन गति को सही सही मापने में उन्हें सफलता नहीं मिली। क्रिप्टो करेंसी एक ऐसी डिजिटल या वर्चुअल करेंसी है, जिसमें सुरक्षा के लिए क्रि?टोग्राफी का इस्तेमाल किया जाता है। दुनिया की सबसे पहली क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन है, जो 2009 में लॉन्च हुई थी।

नाम विदेशी लेकिन देसी ब्रांड

कई ब्रांड ऐसे हैं जिनका नाम सुनकर ऐसा लगता है कि ये विदेशी हैं, लेकिन कई मामलों में ऐसा नहीं है। पीटर इंग्लैंड का नाम तो सुना ही होगा और कई बार टीवी पर ऐड भी देखा होगा। नाम सुनकर यह एक विदेशी कपड़ों का ब्रांड लगता है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। पीटर इंग्लैंड वास्तव में आदित्य बिरला ग्रुप की मदुरा गार्मेंट्स का हिस्सा है। अमेरिकन स्वान का नाम सुना ही होगा। शायद आपको लगा हो कि ये विदेशी कपड़ो का ब्रांड है। जी नहीं! अमेरिकन स्वान भारतीय ब्रांड है। इसे 2013 में अनुराग राजपाल ने लांच किया था। लुई फिलिप भी आदित्य बिरला का हिस्सा है। 1989 में इसकी शुरुआत हुई। एलन सोली आदित्य बिरला ग्रुप का ब्रांड है। वेन ह्यूजन भी आदित्य बिरला ग्रुप से जुड़ा हुआ है। वेस्टसाइड टाटा ग्रुप का एक डिविजन है। फ्लाइंग मशीन की शुरुआत अरविंद ग्रुप ने की। मांटे कार्लो ओसवाल वूलन मिल्स लिमिटेड का हिस्सा है। द मिलानो साहिल मालिक चलाते हैं।

बढ़ती उम्र को रोकें....

रोजमर्रा की भागदौड़ और जिम्मेदारियों को पूरा करने के चक्कर में युवाओं की उम्र कब बढ़ने लगती है पता ही नहीं चलता। लेकिन चेहरे पर आती झुर्रियों को दूर करने के लिए कुछ उपाय अपनाकर इससे बचा जा सकता है। खूब पानी पिएं। पानी पीने से त्वचा नम होती है और इससे झुर्रियां दूर होती हैं। पूरी नींद लें। दिन में कम से कम 7 से 8 घंटें सोएं। माइश्चराइजर का इस्तेमाल करते रहें। सिर्फ सर्दियों में ही नहीं गर्मीयों में भी त्वचा पर क्रीम लगाते रहें। सेहतमंद खाना खाएं। ज्यादा से ज्यादा हरी सब्जियां और फल खाएं। इसके अलावा सूखे मेवे भी फायदेमंद हैं। तनाव से खुद को दूर रखें।

आनलाइन लगेगी छात्रों की हाजिरी

उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों की हाजिरी अब ऑनलाइन लगेगी। इसके लिए बेसिक शिक्षा परिषद ने ऑनलाइन सॉफ्टवेयर तैयार किया है। इस योजना के तहत शिक्षकों को अब सुबह विद्यार्थियों की उपस्थिति के बाद अपने मोबाइल से बेसिक शिक्षा परिषद को मैसेज भेजना होगा, जिससे विभाग की सभी योजनाओं में होने वाले धन के दुरुपयोग को रोका जा सके। बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों को उनके क्लास रूम में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की विद्यालय के रजिस्टर में हाजिरी करने के साथ ही परिषद को अपने मोबाइल से एक मैसेज भी भेजना होगा। इस मैसेज के पहुंचते ही परिषद के सॉफ्टवेयर में विद्यार्थियों की हाजिरी लग जाएगी।

फैशन और ट्रैंड के चलते आजकल लड़के लंबी दाढ़ी और मूंछे रखने लग गए हैं। हालांकि दाढ़ी और मूंछ में लड़के बहुत ही स्मार्ट दिखाई देते हैं लेकिन यह बात भी सामने आई है कि दाढ़ी रखना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद भी है। हालांकि कुछ शोध बताते है कि लड़कियां दाढ़ी रखने वाले लड़कों को कम ही पसंद करती हैं। इसके समर्थन में वे कारण गिनाए गए हैं कि क्यों लड़कियों को दाढ़ी वाले लड़के पसंद नहीं हैं। तो हम यहां जानेंगे दाढ़ी के कितने फायदे हैं और कितने नुकसान।

दाढ़ी से फायदा या नुकसान...?

मूंछ और दाढ़ी रखने वाले युवाओं की पर्सनैलिटी को लोग दो तरीके से जज करते हैं। कुछ लोगों की नजरों में जहां वे हैंडसम और डैशिंग कहलाते हैं, तो वहीं कुछ लोगों को वे आलसी नजर आते हैं। प्रोफेशनल लुक में भी कई बार दाढ़ी और मूंछ प्रॉब्लम खड़ी करती है। लेकिन बहुत ही कम लोग इस बात से वाकिफ होंगे कि चेहरे पर दाढ़ी कई प्रकार की समस्याओं से दूर रखती है। हालांकि, कई बार ज्यादा दाढ़ी इरिटेट भी करती है, लेकिन समय-समय पर इसकी ट्रिमिंग कराकर इरिटेशन से बचा जा सकता है।

स्किन कैंसर से बचाव

रिसर्च से ये बात सामने आई है कि सूर्य से निकलने वाली हानिकारक यूवी किरणों से दाढ़ी बचाव करती है। दाढ़ी के बाल 95 प्रतिशत तक इन हानिकारक यूवी किरणों को रोकते हैं। शरीर के लिए बहुत ज्यादा नुकसानदायक ये किरणें जानलेवा बीमारी कैंसर का कारण भी बन सकती हैं। इन किरणों से बचने के लिए दाढ़ी रखना सेहत और स्टाइल, दोनों लिहाज से अच्छा रहता है।

एलर्जी की समस्या दूर

धूल और पॉल्यूशन के कारण होने वाली एलर्जी और अस्थमा की समस्या को कम करने में भी दाढ़ी के बाल बहुत ही मददगार होते हैं। ये बाल एक प्रकार से फिल्टर का काम करते हैं, जो चेहरे पर किसी भी चीज को डायरेक्ट पहुंचने से रोकते हैं। आंखों की पलकें और नाक के बाल भी यही काम करते हैं। फिल्टर के बाद प्योर ऑक्सीजन बॉडी में पहुंचती है।

बनाए रखे जवां

एजिंग की समस्या को कम करती है दाढ़ी। दाढ़ी पॉल्यूटेड एनवायरन्मेंट से स्किन को बचाती है, जिससे असमय दिखने वाले बुढ़ापे की समस्या भी दूर होती है। चेहरे को पानी से धोने पर नमी बनी रहती है। साथ ही, चेहरे के सेबेसियस ग्लैंड्स भी बिअर्ड से कवर्ड रहते हैं। इनसे नमी को बनाए रखने वाले ऑयल निकलते हैं। स्टाइल के लिए रखी जाने वाली

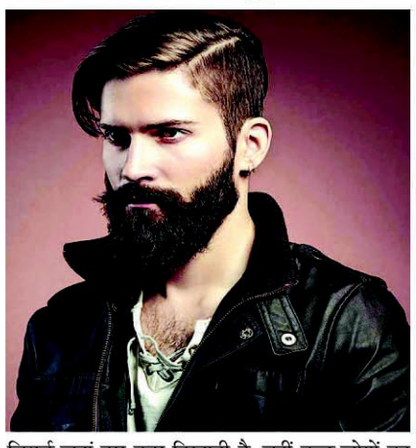

बियर्ड जहां उम्र कम दिखाती है, वहीं कुछ लोगों का ऐसा मानना है कि बियर्ड से उम्र ज्यादा नजर आती है।

बीमार की आशंका कम

गर्मियों में गर्मी से और सर्दियों में सर्दी से बचाने में दाढ़ी कारगर साबित होती है। दाढ़ी सर्दी में चेहरे को गर्म रखने का काम करती है। बाहर की ठंडी हवाएं डायरेक्ट चेहरे तक नहीं पहुंच पाती। पुराने समय में ऋषि-मुनि दाढ़ी-मूंछ रखते थे। संभवतः इसके पीछे उनका मकसद रोगमुक्त होना रहा हो।

इन्फेक्शन से बचाव

दाढ़ी चेहरे पर होने वाले कई सारे बैक्टीरियल इन्फेक्शन्स, फॉलिकल्स और दाग-धब्बों से बचाती है। शेविंग के दौरान स्किन कट जाने से कई प्रकार के इन्फेक्शन्स हो जाते हैं। साथ ही, कई बार ये बड़े घाव तक बन जाते हैं। जो लोग दाढ़ी रखते हैं, उनके साथ ये समस्या नहीं हो सकती।

दाग-धब्बे ऑल क्लीयर

चेहरे के बाल कई प्रकार के दाग-धब्बों, जलने-कटने से बचाने के साथ ही उन्हें छिपाते भी हैं। ये चेहरे के ग्लो को भी बनाए रखते हैं। पुरुषों का दाढ़ी रखना इसलिए भी फायदेमंद माना गया है।

नेचुरल मॉइश्चराइजर

ड्राय स्किन की शिकायत सिर्फ महिलाओं के साथ ही नहीं, पुरुषों के साथ भी हो सकती है। इससे बचने के लिए मॉइश्चराइजर और क्रीम लगाते हैं, लेकिन दाढ़ी भी स्किन को ड्राय होने से बचाती है।

दाढ़ी के नुकसान भी

मर्दों की दाढ़ी को लेकर और दो तरह के अध्ययन किए गए हैं। पहले सर्वे में करीब 100 आदमियों पर अध्ययन किया गया, जिनकी उम्र 18 से 72 साल के बीच थी। ये 100 पुरुष भारत और अमरीका से थे। इन सभी पुरुषों की दाढ़ी अलग-अलग तरह की स्टाइल और लेंथ में थी। इस आधार पर इनके सामने कुछ सवाल रखे गए। इस सर्वे के अनुसार, दाढ़ी रखे 86 प्रतिशत भारतीय मर्द और 65 फीसदी अमरीकी मर्द तुलनात्मक रूप से अधिक रूढ़िवादी पाए गए। एक ऑनलाइन सर्वे द्वारा कराए गए इस सर्वे में पाया गया है कि दाढ़ी रखने वाले पुरुष अपनी पार्टनर के प्रति कम वफादार होते हैं। वहीं एक अन्य रिसर्च में कहा गया है कि ऐसे ज्यादातर पुरुष धोखेबाज होते हैं। हालांकि विशेषज्ञों की मानें तो दाढ़ी रखना काफी नुकसानदेह भी साबित हो सकता है।

क्या सोचती हैं लड़कियां

गुस्सैल दिखना: दाढ़ी वाले युवा गुस्सैल दिखते हैं। एक शोध में यह पाया गया है कि आमतौर पर लड़कियां दाढ़ी रखने वाले युवाओं को गुस्सैल और लड़ाकू समझती हैं।

गुदगुदी होती है: वैसे तो अपने मेल पार्टनर की दाढ़ी में हाथ फेरना कुछ महिलाओं के लिए रोमांटिक हो सकता है, लेकिन कई अध्ययनों से यह साबित हुआ है कि दाढ़ी-मूंछ के चलते महिलाओं को गुदगुदी होती है जिससे उन्हें काफी परेशानी होती है। दाढ़ी चुभने पर महिलाओं का मूड ऑफ हो जाता है।

दाढ़ी से एलर्जी: जाहिर है जिन लोगों की स्किन हाइपर सेंसिटिव है, जिन्हें हल्की दाढ़ी भी चुभती है और फौरन रैशेज निकल आते हैं, उनके करीब जाना खतरों से भरा है।

उम्रदराज दिखते हैं: लड़कियों का मानना है कि क्लीन शेव लड़के यंग दिखते हैं, लेकिन दाढ़ी में वो ज्यादा मैच्योर और उम्रदराज नजर आते हैं।

क्लीन शेव वालों की छवि: जो लड़के क्लीन शेव होते हैं, उनके बारे में धारणा यह है कि वे सफाई पसंद होते हैं और हाइजीन का ख्याल रखते हैं।

स्टाइल स्टेटमेंट बन गए बेल्ट...

बेल्ट, है तो बहुत छोटा परंतु दाम में आपकी किसी पोशाक का मुकाबला कर सकता है। इसे पहले केवल पैंट को कसने के लिए पहना जाता था लेकिन आज यह एक स्टाइल स्टेटमेंट बन चुकी है। यह सुंदर चीज बहुत छोटी है लेकिन बडी स्टाइलिश। जब आप इसे अपनी कमर पर बांधते हैं, ये आपके पूरे रूप को परिवर्तित कर देता है। इसे पुरुष अपनी पतलून के साथ तथा महिलाएं अपनी स्कर्ट के साथ पहनना पसंद करती हैं। इसे पहले इसे केवल चमडे से बनाया जाता था किंतु आज ये कपडे या कृत्रिम चमड़े में भी बनी मिलती है।

चमड़े का बेल्ट: चमड़े का बेल्ट चाहे काले रंग का हो या भूरे रंग का आपको एक फॉर्मल लुक देने में मदद करता है। आप इस बेल्ट को अपनी फॉर्मल पैंट या जीन्स के साथ पहन सकते हैं। चूंकि ये बेल्ट चमड़े के बने होते हैं इन्हें संभालकर रखना बहुत जरूरी है। कमरे में यहां-वहां फैंकने से ये खराब हो सकते हैं।

ब्रैडेड बेल्ट: सुंदर ब्रैडेड बेल्ट के साथ अपने अद्भुत व कूल रूप को प्रकट करें। यदि आप लोगों को अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हैं तो ये बेल्ट आपकी इस तमन्ना को पूरा कर सकता है। एक अच्छा लुक पाने के लिए इसे अपनी किसी भी सादी पतलून के साथ पहनें।

नियॉन बेल्ट: रंग-बिरंगे नियॉन बेल्ट आपके होश उडा देंगे। अब तक आप बेल्ट को अपनी पैंट को टिकाए रखने के लिए खरीदते थे। परंतु ये नियॉन बेल्ट एक फैशन स्टेटमेंट बनाने के लिए एवं आपको एक स्टाइलिश लुक प्रदान करने के लिए बनाए गए हैं। हज़ारों की भीड में अपनी एक अलग पहचान बनाने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति इस बेल्ट को खरीद सकते हैं। इस बेल्ट को पुरुषों व महिलाओं दोनों द्वारा पहना जा सकता है।

टेक्स्चर्ड बेल्ट: कुछ टेक्स्चर्ड बेल्ट चमड़े के बने होते हैं तो कुछ कपड़े के। दोनों की तुलना में कपड़े के बेल्ट ज्यादा कारगर साबित होते हैं और इसे फाक्स सूड कहा जाता है। सूड बेल्ट काफी आरामदायक होते हैं और ये लेनिन व खाखी कॉम्बो के साथ सही बैठते हैं। हमें इसकी आरामदायक पकड व सुंदरता बेहद पसंद है। इस बेल्ट की खासियत को जानने के लिए इसे एक बार जरूर पहनें।

ट्रैवल बेल्ट: क्या आप अक्सर टुर पर रहते हैं? तथा पैसों के साथ अपने जरूरी दस्तावेजों को संभालना आपके लिए बहुत जरूरी हो जाता है? तो ट्रैवल बेल्ट पर एक नजर डालें। ट्रैवल बेल्ट में मौजूद चोर पाकिट आपके पैसों व कार्ड को संभाले रखने में मदद करता है।

ज्यादा वजन में भी स्मार्ट दिखें...

मर्दों की चाहे कितनी भी उम्र हो जाए, लेकिन लड़कियों की तरह वे भी अपने वजन से कम ही दिखना चाहते हैं। मोटापा युवाओं को उम्र से ज्यादा बड़ा दिखता है और स्टाइल में भी कमी ला देता है, लेकिन अपने पहनावे में कुछ छोटे मोटे बदलाव कर के, पतले और स्मार्ट दिख सकते हैं। जानिए, इसके लिए क्या करने की जरूरत है।

फिटिंग के कपड़े: यह सोचना छोड़ दें कि ढीले ढाले कपड़ों में आप मोटे नहीं दिखेंगे। ढीले कपड़े मोटापे को और उभारते हैं इसलिए अपनी फिटिंग के ही कपड़े पहनें।

सीधी लाइन वाली शर्ट: ज्यादा वजन वाले युवाओं को सीधी लाइन वाली शर्ट ही पहननी चाहिए। ऐसा करने से उनकी तरफ देखने वाले लोगों की नजर उन रेखाओं पर जाती है यानी ऊपर से नीचे न कि वजन यानी दाएं से बाएं। यह साबित भी हो चुका है कि इंसानी दिमाग पहले सीधी लंबी रेखाओं की तरफ ही जाता है।

शर्ट को टक इन न करें: कोशिश करें हर बार शर्ट या टीशर्ट को पैंट के अंदर टक इन कर के न चलें। टक इन कर ने पर आपका पेट निकला हुआ दिखेगा जो जाहिर है आप नहीं चाहते।

गाढ़े रंग के कपड़े: गाढ़े रंग के कपड़े आप पर ज्यादा फबेंगे। ये भी एक मनोवैज्ञानिक सिद्धांत है कि एक ऊपर से नीचे तक एक जैसा गाढ़ा रंग का कपड़ा पहनने वाला पतला दिखता है।

दाढ़ी और बाल: अपने बालों और दाढ़ी को इस तरह ही रखें जिससे आपका चेहेरा लंबा दिखे। इससे आप भी पतले दिखेंगे। फ्रेंच स्टाइल दाढ़ी जो ठुड्डी की तरफ लंबी हो, आप पर जमेगी।

घर की बालकनी में आसानी से उगाए ये सब्जियां, अलग ही होता है इन्हें खाने का मजा

अगर आपके पास एक छोटा बालकनी गार्डन है, तो आप भी फ्रेश और हेल्दी खाने के लिए कुछ सब्जियां उगा सकते हैं। खासकर छोटी और आसान से उगने वाली सब्जियां आपके बालकनी गार्डन को हरा-भरा रखने के साथ-साथ आपके खाने को भी पौष्टिक बनाती हैं। यहां कुछ ऐसी ही छोटी सब्जियों के बारे में जानकारी दी गई है, जिन्हें आप अपने बालकनी गार्डन में आसानी से उगा सकते हैं और उन्हें उगाने का सही तरीका भी बताया गया है। तो आइए जानते हैं-

धनिया : भीगे हुए धनिया के बीज को हल्के से मसल कर दो टुकड़ों में कर लें और फिर इसे मिट्टी में बोएं। इसे सुबह की अच्छी धूप और पानी की जरूरत होती है। धनिया के लिए अच्छे जल निकासी वाले गमले चुनें और नियमित रूप से पानी दें। धनिया 2-3 हफ्तों में तैयार हो जाता है। इसे नियमित रूप से काटने से ताजे पत्ते मिलते रहते हैं।

पालक : पालक को गहरे गमले में उगाना चाहिए क्योंकि इसकी जड़ें गहरी होती हैं। इसे हल्की छांव और नमी की जरूरत होती है। बीजों को 1-2 इंच की गहराई में बोएं और नियमित रूप से पानी दें। 4-6 सप्ताह में आपको ताजे पालक की पत्तियां मिल सकती हैं।

चेरी टमाटर : चेरी टमाटर को छोटे गमलों या ग्रो बैग में उगाया जा सकता है। इसे कम से कम 6 घंटे की धूप जरूर चाहिए। गमले में मट्टी को हल्का और जल निकासी वाले होना चाहिए। नियमित रूप से पानी दें और जड़ों को सूखा न होने दें।

मिर्च : मिर्च के पौधे को धूप और गर्मी पसंद होती है, लेकिन उन्हें बहुत ज्यादा गर्मी भी पसंद नहीं होती। इसलिए इसे सीधी धूप में रखें। बीजों को अच्छे से बोने के बाद, हल्की नमी बनाए रखें। 2-3 महीने में आपको ताजी मिर्च मिलनी शुरू हो जाती है।

मेथी : मेथी को छोटे गमले में बो सकते हैं। इसे बुआई के 12 घंटे पहले पानी में भिंगोकर रखें। बुआई के बाद इसे दिन में कम से कम 3-4 घंटे की धूप चाहिए होती है। इसकी मिट्टी में हल्की नमी बनाए रखें और बीजों को हल्के से दबा कर बोएं। लगभग 20-25 दिनों में ताजे पत्ते तैयार हो जाते हैं।

बैंगन : बैंगन के छोटे पौधे बालकनी गार्डन में बड़े गमलों में उगाए जा सकते हैं। इसे 6 से 8 घंटे की धूप चाहिए होती है और मिट्टी को पोषक तत्वों से भरपूर रखना होता है। इसके बीजों की बुआई मिट्टी में 3-4 इंच की गहराई में होती है। इसे नियमित रूप से पानी दें और पौधों को सहारा देने के लिए एक स्टिक का उपयोग करें। 3-4 महीने में ताजे बैंगन मिलने लगते हैं। अपने बालकनी गार्डन में सही देखभाल और ध्यान से आप इन सब्जियों को आसानी से उगा सकते हैं और घर में फ्रेश और केमिकल फ्री खाने का आनंद ले सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**